संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शनिवार, 18 मई 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 136 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

अमेठी की रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह, सांसद स्मृति ईरानी।

आदर्श विचार

. धरती पर जिस तरह मौसम में बदलाव आता हैं, उसी तरह जीवन में भी सुख- दुःख आता जाता रहता हैं। - भगवत गीता

मन की बात

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। -स्वामी विवेकानंद

सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत को चुनाव प्रचार के लिए नहीं दी अंतरिम जमानत

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। सोरेन की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वह 2 जून को सरेंडर कर देंगे, लेकिन सुनवाई के दौरान ईडी ने इसका विरोध किया। मामले की अगली सुनवाई ग्रीष्मावकाश के दौरान 21 मई को होगी। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने ईडी से पूछा कि सोरेन ने यह अर्जी चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत के लिए दी है, इस पर आपका रुख क्या है। इस पर ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने सोरेन को अंतरिम जमानत दिए जाने का विरोध करते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी चुनाव घोषित होने से काफी पहले हुई थी।

मुझे सात-आठ थप्पड़ मारे, शरीर के निचले हिस्से पर लात मारी...

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल ने कुछ दिनों पहले आरोप लगाए थे कि उनके साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर सीएम के सहयोगी बिभव कुमार ने मारपीट और बदसलूकी की थी। इस मामले पर आज शुक्रवार को पुलिस ने स्वाति मालीवाल के मजिस्ट्रेट के समाने कलमबंद बयान दर्ज कराए। स्वाति मालीवाल ने एफआईआर में बिभव कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। स्वाति मालीवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा गया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार ने स्वाति मालीवाल को कई बार लात और करीब सात-आठ थप्पड़ मारे। स्वाति जब मदद के लिए चिल्लाने लगीं तब भी बिभव नहीं रुके। स्वाति ने बताया कि वह लगातार मदद के लिए चिल्ला रही थीं लेकिन बिभव नहीं रुका। आरोप लगाया कि बिभव ने उनकी छाती, पेट और शरीर के निचले हिस्सों पर लात से हमला किया। स्वाति की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें उन्होंने बिभव कुमार को आरोपी बनाया था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि राज्यसभा की एक सांसद के साथ केजरीवाल के

करीबी ने बदसलूकी की। इसके बावजूद दिल्ली के मुख्यमंत्री अब तक चुप हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन बिभव कुमार उनके साथ लखनऊ में घूम रहे थे।

बदसलूकी मामले में स्वाति मालीवाल ने तीस हजारी कोर्ट में दर्ज कराया

सियासी बवाल

स्वाति को कई बार लात और करीब सात-आठ थप्पड़ मारे। स्वाति जब मदद के लिए चिल्लाने लगीं तब भी बिभव नहीं रुके

बयान: आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने शुक्रवार को दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार पर कथित मारपीट का आरोप लगाकर अपना बयान दर्ज कराया। मालीवाल का यह बयान मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कात्यायनी शर्मा कंडवाल के समक्ष अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत दर्ज किया गया है। स्वाति मालीवाल ने विभव कुमार पर मारपीट का आरोप लगाते हुए कहा है कि वो 13 मई को अरविंद केजरीवाल से मिलने उनके आवास पर गई थीं। उसी दौरान विभव कुमार ने उनके साथ मारपीट की और बदतमीजी की। इसके बाद स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस को 112 नंबर पर कॉल किया था। स्वाति मालीवाल की शिकायत पर 16 मई को दिल्ली पुलिस ने उनका बयान दर्ज किया था।

चार चरणों में इंडी गठबंधन चारो खाने चित्त: मोदी

● भानुमति का कुनबा बिखर रहा, बचे हुए चुनाव में कोई मेहनत नहीं करना चाहता: पीएम

विपक्ष को घेरा

इंडी गठबंधन के कार्यकर्ता पहले से निराश थे। अब उन्होंने घर से निकलना ही छोड़ दिया है: मोदी

टीम एक्शन इंडिया

फतेहपुर: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सम्मानित जनता ने चार चरणों में ही इंडी गठबंधन को चारो खाने चित्त कर दिया है। भानुमति का कुनबा बिखर रहा है। बचे हुए चुनाव में कोई मेहनत भी नहीं करना चाहता। इंडी गठबंधन के कार्यकर्ता पहले से निराश थे। अब उन्होंने घर से निकलना ही छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सपा और कांग्रेस पर जमकर कटाक्ष किए और कहा कि आपको भीतर की बात बताता हूं। मोदी ने कहा कि खबर पक्की होती है तब ही मैं भीतर की बात बोलता हूं। मैंने कहा था कि केरल से वायनाड (राहुल गांधी) से भागेंगे। मैंने कहा था कि वह अमेठी की ओर जाने की हिम्मत नहीं करेंगे। मेरी वह दोनों खबरें पक्की निकलीं या नहीं। अब एक नयी खबर है। कांग्रेस ने अब मिशन फिफ्टी रखा है। उन्होंने कहा है कि कुछ भी करो लेकिन कांग्रेस को कम से कम 50 सीटें मिल जाएं। इसके लिए भानुमति के कुनबे में हवा भरने की कोशिश की जा रही है। लेकिन जिस इंडी गठबंधन की गाड़ी पहले दिन से ही पंचर हो, वह कितना चल सकेगा। उन्होंने कहा कि पंजे और साइकिल के सपने टूट गए खटाखट... खटाखट...। अब चार जून के बाद की प्लानिंग हो रही है कि हार की ठीकरा किस पर फोड़ा जाए। मुझे तो कोई बता रहा था कि विदेश यात्रा का टिकट भी बुक हो गया है। उन्होंने कहा कि साथियों, यूपी में कांग्रेस का कोई वजूद नहीं है। पूरी कांग्रेस परिवार की इज्जत बचाने में जुटी है। फिर भी यूपी में दो लड़कों की जोड़ी आ जाती ह

धर्म के आधार पर आरक्षण के विरोध में थे आम्बेडकर : मोदी

टीम एक्शन इंडिया

बाराबंकी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण के विरोधी थे। जब संविधान बना, तब संविधान सभा ने निर्णय किया था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। लेकिन, 10 साल पहले इन लोगों (कांग्रेस) ने धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोशिश की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में तो इन्होंने यह कर भी दिया है। वहां इन्होंने सब मुसलमानों को रातों-रात ओबीसी बना दिया। ओबीसी को मिले आरक्षण में से बहुत बड़ा हिस्सा इन्होंने वहां लूट लिया। क्या ओबीसी व एससी का आरक्षण हम छीनने देंगे। बाबा साहब का दिया हुआ आरक्षण कोई छीन नहीं सकता है। यह लोग आरक्षण व संविधान के विरोधी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आज विपक्ष के पूरे कुनबे पर प्रहार किया है।

हाईकोर्ट ने मध्यस्थ पुरस्कार को बरकरार रखने के आदेश को किया रद्द

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को स्पाइसजेट के साथ चल रहे विवाद में कलानिधी मारन के पक्ष में आदेश सुनाया। कोर्ट ने मध्यस्थ पुरस्कार को बरकरार रखने के आदेश को रद्द कर दिया है। इससे पहले कोर्ट ने मध्यस्थ पुरस्कार को बरकरार रखा गया था। जिसमें स्पाइसजेट और उसके प्रमोटर अजय सिंह को कलानिधि मारन को 579 करोड़ रुपये और ब्याज वापस करने का आदेश दिया था। शुक्रवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने एकल न्यायाधीश के 31 जुलाई 2023 के आदेश रद्द कर दिया।

पाक आतंकी गतिविधियों का अभ्यास कर रहा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सीमा पार से होने वाली आतंकी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देश को इसके परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी है। सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट 2024 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में किसी भी तरह की सीमा पार आतंकवादी गतिविधि के प्रति सहनशीलता बहुत कम है। अगर ऐसा कुछ होता है तो एलओसी और सीमा पर इसका असर पड़ेगा।

'पाकिस्तान लगातार आतंकी गतिविधियों का अभ्यास कर रहा': बिजनेस समिट में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंकी गतिविधियों का अभ्यास

कर रहा है। पहले हमारे देश में आतंकवाद को अपने पड़ोसी के सनकीपन के रूप में देखते थे। अब हमने आतंकवाद के साथ निपटने के लिए खुद को उसी तरह से तैयार किया है। एस जयशंकर ने कहा कि 2014 में भारत ने साफ तौर पर निर्णय लिया था कि हम सीमा पार के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

खरी-खरी

अगर हमारा पड़ोसी ऐसी हरकतें करना बंद कर दे तो हम भी उसके प्रति एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे

बंद कर दे आंतक का धंधा तो...: विदेश मंत्री ने उरी और बालाकोट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इसका परिणाम उन्होंने देखा है। अगर हमारा पड़ोसी ऐसी हरकतें करना बंद कर दे तो हम भी उसके प्रति एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे। अब गेंद उनके पाले में है। अगर वे आतंक के अपने धंधे को बंद कर देते हैं जिसे उन्होंने कई दशकों में बनाया है।

सीएपीएफ' 'भारत संघ के सशस्त्र बल: हाईकोर्ट

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में भारतीय सेना के कानून लागू होते हैं, फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। इन बलों के लिए जो सर्विस रूल्स तैयार किए गए हैं, उनका आधार भी फौज है। इन सारी बातों के होते हुए भी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को 'पुरानी पेंशन' से वंचित किया गया है। खास बात तो ये है कि दिल्ली

उच्च न्यायालय भी यह मान चुका है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीएपीएफ', 'भारत संघ के सशस्त्र बल' हैं। अदालत ने इन बलों में लागू 'एनपीएस' को स्ट्राइक डाउन करने की बात कही। यानी सीएपीएफ, पुरानी पेंशन की हकदार है। ये दुर्भाग्य है कि अदालत से जीती हुई लड़ाई को केंद्र सरकार, हार में बदलने की मंशा रखती है।

अपना राहुल आपको सौंप रही हूं: सोनिया गांधी

टीम एक्शन इंडिया

रायबरेली: कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए रायबरेली की जनता को संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेरा आंचल आपके प्रेम और आशीर्वाद से जीवनभर भरा रहा। आपके प्रेम ने मुझे कभी भी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका दिया हुआ है। मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं। जैसे आपने मुझे अपना माना वैसे ही आपको राहुल को अपना मान कर रखना है, राहुल आपको निराश नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेठी-रायबरेली से हमारा रिश्ता 103 साल पहले किसान आंदोलन के समय से शुरू होता है और अब मैं अपना राहुल आपको सौंप रही हूं। इस दौरान सोनिया गांधी के साथ मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। सोनिया गांधी ने कहा कि आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया।

जनसंदेश

मेरा सब कुछ आपका दिया हुआ है। मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं: सोनिया गांधी

यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। रायबरेली और अमेठी मेरा परिवार है। पिछले 100 साल से हमारे परिवार की जड़ें इस मिट्टी से जुड़ी हुई हैं। गंगा मां की माटी से रिश्ता रहा है। इंदिरा जी के दिल में रायबरेली के लिए एक अलग जगह थी। उनके मन में आपके प्रति असीम लगाव था। मैंने राहुल और प्रियंका को वही सीख दी है जो इंदिरा जी ने मुझे दी थी। सबका आदर करो। अन्याय और अधिकार की रक्षा के लिए जिससे भी लड़ना पड़े उससे लड़ो। आपके प्रेम ने मुझे कभी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका है।

शाह की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए मनोज पांडेय

टीम एक्शन इंडिया

रायबरेली: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लोग कह रहे हैं कि हम सत्ता में आएंगे तो राम मंदिर की पुनः प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। यह लोग पुनः प्राण प्रतिष्ठा के नाम पर राम मंदिर में ताला लगवा देंगे। इंडिया गठबंधन कांग्रेस पार्टी का पारिवारिक गठबंधन है। इसमें शामिल लालू अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। ममता बनर्जी अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनना चाहती है। सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनना चाहती है।

पार्टी में शामिल

सपा से विधायक रहे मनोज पांडेय भाजपा में शामिल हो गए। इस मौके पर उनके साथ कई ब्लॉक प्रमुख भी भाजपाई हो गए

स्वाति मालीवाल पर बोलने से बच रही कांग्रेस

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: स्वाति मालीवाल विवाद से आम आदमी पार्टी ही नहीं, इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल भी मुश्किल में आ गए हैं। कांग्रेस भी इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से बच रही है। 16 मई को लखनऊ में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव, दोनों नेता स्वाति मालीवाल विवाद पर कोई टिप्पणी करने से बचते नजर आए थे। 17 मई को दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पत्रकारों के द्वारा बार-बार प्रश्न करने के बाद भी कांग्रेस

राष्ट्रीय मीडिया इंचार्ज जयराम रमेश ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इस विवाद का साया दिल्ली में कांग्रेस-आम आदमी पार्टी के चुनाव प्रचार पर भी पड़ सकता है। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल की संयुक्त जनसभा-रैली कर गठबंधन को मजबूत बनाने की योजना भी खटाई में पड़ती दिखाई पड़ रही है। इसके पहले लखनऊ में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अखिलेश यादव के साथ होने वाली प्रेस कांफ्रेंस में भी अरविंद केजरीवाल शामिल नहीं हुए थे। इसे भी कांग्रेस के द्वारा बरती गई एक सतर्कता के रूप में देखा गया था।

शुक्रवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने पत्रकारवार्ता आयोजित की थी। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया इंचार्ज जयराम रमेश पत्रकारों को संबोधित करने वाले थे। स्वाति मालीवाल मुद्दे पर गरमाई सियासत के बीच भारी संख्या में पत्रकार भी कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश कार्यालय राजीव भवन पहुंच गए थे।

इंकार किया

बार-बार प्रश्न करने के बाद भी कांग्रेस राष्ट्रीय मीडिया इंचार्ज ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया

भावुक हुए

मैंने अपनी आंखों से अमेठी को बदलते हुए देखा है, मैं अपने पिता के साथ यहां आता था: राहुल गांधी

अमेठी से मेरा 42 सालों का रिश्ता, मैं कहीं नहीं गया: राहुल

टीम एक्शन इंडिया

अमेठी: अमेठी सीट से 2019 का चुनाव हारने के बाद बाद पहली बार राहुल गांधी ने अमेठी के लोगों से अपने रिश्तों पर बात की। अमेठी में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं 12 साल का था तब से यहां आ रहा हूं। मैंने अमेठी का वह समय देखा जब यहां बंजर खेत होते थे। टूटी हुई सड़कें होती थीं। मैंने अपनी आंखों से अमेठी को बदलते हुए देखा है। मैं अपने पिता के साथ यहां आता था। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि राजनीति में मैंने जो कुछ भी सीखा वह अमेठी से ही सीखा है। भावुक लहजे में राहुल गांधी ने कहा

कि ऐसा नहीं है कि मैंने अमेठी को छोड़ दिया है। मैं अमेठी का था, अमेठी का हूं और अमेठी का रहूंगा। यह रिश्ता एक दो सालों का नहीं है। हमेशा का है। कल को मैं रायबरेली का सांसद हो जाउंगा। लेकिन एक बात याद रखिएगा कि मैं जितना रायबरेली का हूंगा उतना ही अमेठी का हूंगा। रायबरेली में जो भी विकास योजनाएं आएंगी वह सारी की सारी

अमेठी का हूं

मैं 12 साल का था तब से यहां आ रहा हूं। मैंने अमेठी का वह समय देखा जब यहां बंजर खेत होते थे

अमेठी में आएंगी। अमेठी में आपके सांसद केएल शर्मा जरूर होंगे लेकिन मैं भी आपका सांसद हूंगा। रायबरेली में यदि दस रुपए आते हैं तो यकीन मानिए कि अमेठी में भी दस रुपए आएंगे। यह पहला मौका था जब राहुल गांधी ने 2019 का चुनाव हारने के बाद अमेठी से अपने रिश्ते की बात कही। कुछ महीने पहले जब राहुल भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अमेठी से गुजरे थे तब उन्होंने अपने और अमेठी के रिश्ते पर एक शब्द बात नहीं की थी।

केएल शर्मा ने आपके लिए त्याग किया: राहुल गांधी ने कहा कि केएल शर्मा आपके प्रत्याशी हैं। इनको आप संसद में भेजिए। ये आपके मुद्दे उठाएंगे। केएल शर्मा में जरा भी अहंकार नहीं है। उन्होंने कि राजीव गांधी जब यहां सक्रिय हुई तो उन्होंने नेताओं की एक टीम बनाई। उस टीम की बहुत सारे लोग सरकार और संगठन के बड़े-बड़े पदों पर चले गए लेकिन शर्मा आपके बीच रह गए।

भारत में सीमा पार आतंकवाद के प्रति सहनशीलता बहुत कम': जयशंकर

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सीमा पार से होने वाली आतंकी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देश को इसके परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी है। सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट 2024 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में किसी भी तरह की सीमा पार आतंकवादी गतिविधि के प्रति सहनशीलता बहुत कम है। अगर ऐसा कुछ होता है तो एलओसी और सीमा पर इसका असर पड़ेगा।

'पाकिस्तान लगातार आतंकी गतिविधियों का अभ्यास कर रहा': बिजनेस समिट में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लगातार आतंकी गतिविधियों का अभ्यास कर रहा है। पहले हमारे देश में

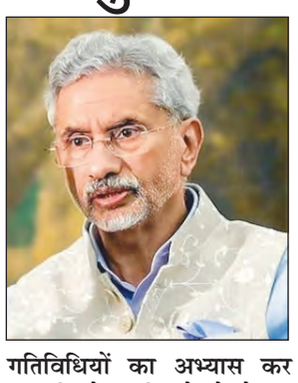

आतंकवाद को अपने पड़ोसी के सनकीपन के रूप में देखते थे। अब हमने आतंकवाद के साथ निपटने के लिए खुद को उसी तरह से तैयार किया है। एस जयशंकर ने कहा कि 2014 में भारत ने साफ तौर पर निर्णय लिया था कि हम सीमा पार के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बंद कर दे आंतक का धंधा तो...: विदेश मंत्री ने उरी और बालाकोट की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इसका परिणाम उन्होंने देखा है। अगर हमारा पड़ोसी ऐसी हरकतें करना बंद कर दे तो हम भी उसके प्रति एक सामान्य पड़ोसी की तरह व्यवहार करेंगे। अब गेंद उनके पाले में है।

चारधाम यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग करें अधिकारी, लापरवाही बर्दाश्त नहीं:धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को चारधाम यात्रा के इंतजामों की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकारी लगातार यात्रा की मॉनिटरिंग करते रहें। यात्रा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पंजीकरण के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा की अनुमति दी जाए। इसके साथ ही ठहराव स्थलों पर यात्रियों को जरूरी सुविधाएं मिलें, ताकि उन्हें यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार का अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

सचिवालय में यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने चारधाम से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि यात्रा व्यवस्थाओं में सभी अधिकारी चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारी और एसपी का पूरा सहयोग करें। यात्रा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की जाए
बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि यात्रियों को जिन स्थानों पर ठहराने की व्यवस्थाएं की गई हैं, उन स्थानों पर सभी मूलभूत सुविधाएं पेयजल, विद्युत, शौचालय, खानपान और बच्चों के लिए दूध और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। चारधाम पैदल मार्गों पर श्रद्धालुओं को पेयजल एवं अन्य सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। चारधाम यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था कर-के श्रद्धालुओं को इन मार्गों के बारे में जानकारी भी दी जाए।

परिवहन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो
मुख्यमंत्री ने सचिव परिवहन को निर्देश दिये कि वाहनों की फिटनेस का विशेष ध्यान रखा जाए। बिना फिटनेस के कोई वाहन यात्रा मार्ग पर चल रहे हैं तो इसके लिए सबंधित परिवहन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा पर भेजा जाए। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को फिलहाल स्थगित रखा जाए।

गंगा सेवा रक्षा दल के नेतृत्व में अधिकारियों के खिलाफ व्यापारियों ने जताया रोष

रोष

▶▶जिंदवाड़ा सुभाष चौक पर बंद यूरिन पॉइंट की सफाई नहीं होने के कारण व्यापारियों में रोष व्याप्त है

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
गंगा सेवा रक्षा दल के नेतृत्व में मेन बाजार सुभाष चौक पर नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ स्थानीय व्यापारियों ने रोष व्यक्त किया।
शुक्रवार को उत्तराखंड के प्रसिद्ध चारों धामों के मुख्य द्वार तीर्थ नगरी ऋषिकेश में गंगा सेवा रक्षा दल के अध्यक्ष पं. नरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में व्यापारियों ने नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ रोष व्यक्त किया। जिंदवाड़ा सुभाष चौक पर स्थित लगभग तीन वर्ष से बंद यूरिन पॉइंट की सफाई नहीं होने के कारण व्यापारियों में रोष व्याप्त है। व्यापारियों ने कहा कि चारों धाम की यात्रा चल रही है। लाखों श्रद्धालु यहां की धर्मशाला में ठहरे हुए हैं। प्रतिदिन गंगा घाटों पर श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं लेकिन नगर के समस्त यूरिन प्वाइंटों की हालत बद से बदतर है। कोरोना काल से बंद यूरिन प्वाइंटों के ताले आज तक नहीं खुले।
यूरिन प्वाइंट्स की व्यवस्था को पूर्व की भांति शीघ्र दुरुस्त नहीं किया गया तो व्यापारियों की ओर से संबंधित विभाग के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।
इस अवसर पर दिनेश गुप्ता, राजीव अरोड़ा, रचित गुप्ता, शुभम गुप्ता, अशोक कुमार, शिव कुमार, बंटी वर्मा, अंकित भटनागर, शीतल किशोर, सिंगल अशोक विरमानी, लव गुप्ता, आदि व्यापारी मौजूद रहे।

हिमतोली से ऋषिकेश आ रहा ट्रक खाई में गिरा, ड्राइवर की मौत

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हिमतोली से ऋषिकेश आ रहे एक ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में गिर जाने से ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। एसडीआरएफ की टीम ने ट्रक ड्राइवर का शव बरामद कर लिया है।
एसडीआरएफ बयासी प्रभारी एसआई नीरज चौहान ने बताया कि शुक्रवार की सुबह एक ट्रक ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हिमतोली से ऋषिकेश आ रहा था। कौड़ियाला से आगे ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर 100 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गया। जहां पर ड्राइवर की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

श्रीनगर-बद्रीनाथ हाइवे पर जाम के मद्देनजर यात्रियों के लिए विशेष प्रबंध

एहतियात

▶▶जिलाधिकारी ने स्वयं मौके पर पहुंचकर यात्रियों से बातचीत की और वस्तुस्थिति से अवगत कराया।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
श्रीनगर-बद्रीनाथ हाइवे पर जाम की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन पौड़ी गढ़वाल ने केदारनाथ, तुंगनाथ, बद्रीनाथ जाने वाले यात्रियों को एहतियात के तौर पर श्रीनगर में ही रोक दिया है। हालांकि जाम की स्थिति सामान्य होने पर यात्रियों को श्रीनगर से रवाना किया जा रहा है।
शासन ने बीते दिन गुरुवार सायं को श्रीनगर-बद्रीनाथ हाइवे पर जाम की स्थिति को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें श्रीनगर में ही रोकने का निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने स्वयं मौके पर पहुंचकर यात्रियों से बातचीत की और वस्तुस्थिति से अवगत कराया। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वह फिलहाल श्रीनगर में ही आराम करें, और जाम की स्थिति सामान्य होने की प्रतीक्षा करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी यात्री को कोई कठिनाई न हो और उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं। जिलाधिकारी ने यात्रियों से कहा कि वे प्रशासन का सहयोग करें और धैर्य बनाए रखें, शीघ्र ही स्थिति को सामान्य बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने चारधाम की यात्रा में आने वाले समस्त यात्रियों से जाम की स्थिति, बारिश होने की संभावनाओं पर सुरक्षित स्थानों पर ठहरने की अपील की है।
इस दौरान यात्रियों को जिला प्रशासन की ओर से पेयजल और फूड पैकेट्स की समुचित व्यवस्था की गई, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। यात्रियों से श्रीनगर में ठहरने की अपील भी की गई।
मौके पर अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, संयुक्त मजिस्ट्रेट अनामिका, उपजिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी रविंद्र कुमार, आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपेश काला सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कार्मिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

देहरादून की गौशाला में खुला पहला गौ आइसोलेशन वार्ड

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
दून एनिमल वेलफेयर संस्था ने देहरादून का पहला आइसोलेशन वार्ड बना कर तैयार किया है ,जिस आइसोलेशन वार्ड का मकसद है अधिक से अधिक संख्या में घायल गायों का रेस्क्यु कर उनको अच्छी सेवा वा ट्रीटमेंट दे कर उनकी जान को समय रहते बचाया जा सके, इस आइसोलेशन वार्ड की खासियत है यह 24 घंटे एक हेल्पर और एक पैरावैट डॉक्टर हमेशा तैनात रहेंगे ताकि दिन रात सभी घायल गायों को सेवा दी जा सकें। आइसोलेशन वार्ड को मेंटेन करने के लिए कूलर पंखों की व्यवस्था की गई है ताकि हर मौसम में अनुकूल आइसोलेशन वार्ड की एयर को मेंटेन किया जा सके। 24 घंटे ठंडे पानी वा पोस्टिक आहार जैसे हरा चारा, खल, मिनरल मिक्सचर, चोकर, गुड इत्यादि की सुविधा भी की गई है ताकि घायल गायों को पौष्टिक आहार मिल सके और गाय जल्द से जल्द रिकवर हो सकें, 24 घंटो में कभी भी इमर्जेंसी पड़ने पर वेटनरी डॉक्टर की भी सुविधा दी जा रही है ताकि बडी से बड़ी समस्या होने पर समय रहते गाय को खतरे से बहार निकाल कर उसकी जान बचाई जा सके, मोबाइल एंबुलेंस घायल गायों को रोड से उठा कर गौ शाला तक शिफ्ट करने के लिए आज पशु कल्याण विभाग के निदेशक डॉक्टर नीरज सिंघल ने वैन का उद्घाटन किया और सराहना की गई की यह अब तक की सबसे बेहतर सुविधा है नही तो आए दिन गायों के रोड ऐक्सिडेंट में जान चली जाती थी पर सीमित संसाधन होने की वजह से सभी गायों को बचा पाना पॉसिबल नही हो पाता था अब एक कमान और एड होने से गायों को राहत मिलेगी, वही गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पंडित राजेंद्र अंथवाल ने आइसोलेशन वार्ड का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह हम सब गौ भक्तो के लिए एक खुशी का दिन है जहा एक और आए दिन रोड पर रोज एक्सीडेंट में गौ माता घायल हो जाति है और कोई जल्दी से सुध नहीं ले पाता तो ऐसे में ऐसी संस्थाएं ही कमान संभालते हैं दून एनिमल वेलफेयर संस्था द्वारा ये एक सराहनीय कार्य किया गया। इस मौके पर चीफ वेटनरी ऑफिसर डॉक्टर विद्या सागर कापड़ी, गो सेवा आयोग के अध्यक्ष पंडित राजेंद्र अंथवाल, निदेशक पशु पालन डॉक्टर नीरज सिंह सिंघल, आशु अरोड़ा, डॉक्टर नामित ,अभिषेक, कृष्णा धाम गौशाला से भूपेन्द्र चौधरी, विश्व हिंदू परिषद से राजेंद्र राजपूत, अंकुर आदि सैंकड़ों गौभगत उपस्थित रहे।
संस्था के संस्थापक आशु अरोड़ा ने बताया यह आइसोलेशन वार्ड 24 घंटे अपनी सेवा देता रहेगा , जिसमें एक हेल्पर और एक पैरावैट डॉक्टर हमेशा उपस्थित रहेंगे। साथ ही, वार्ड के अंदर कूलर पंखों की व्यवस्था भी की गई है, ताकि मौसम के अनुकूल वातावरण में सभी गायों को सही मात्रा में हवा मिल सके। इस वार्ड में 24 घंटे ठंडे पानी और पोषण पूर्ण आहार की सुविधा भी है, ताकि गायों को उचित पोषण और देखभाल मिल सके। इसके अलावा, इमर्जेंसी स्थिति में वेटनरी डॉक्टर की सुविधा भी उपलब्ध है, जो गायों को किसी भी समस्या के समय सहायता प्रदान करेंगे। दून एनिमल वेलफेयर संस्था में लगभग 1700 से अधिक घायल बीमार गौ माता की सेवा की जा रही है।

फाइनोटेक्स केमिकल लिमिटेड को संभावित अधिग्रहण के लिए अग्रिम चर्चा हेतु मंजूरी प्राप्त हुई

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
फाइनोटेक्स केमिकल लिमिटेड (बीएसईः 533333, एनएसईः एफसीएल), एक लीडिंग स्पेशल केमिकल प्रोड्यूसर, ने घोषणा की है कि उसे प्रेफेरेंशिएल इश्यू के वारंट्स के लिए बीएसई और एनएसई से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इससे पहले बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 346 रुपये प्रति वारंट के इश्यू प्राइस पर 42,00,600 कन्वर्टिबल शेयर वारंट्स इश्यू और अलॉटमेंट के माध्यम से संचित करके कुल मिलाकर अधिकतम राशि 146 करोड़ रुपये के धन को जुटाने की मंजूरी दी थी।
इसके अलावा, कंपनी वर्तमान में संभावित अधिग्रहण के संबंध में एक स्पेशलिटी केमिकल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ एडवांस्ड डिस्कशन में लगी हुई है। कंपनी का यह टार्गेट प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और कस्टमर बेस उसके वर्तमान बिजनेस ऑपरेशंस के साथ अच्छी तरह से अलाइन्ड होता है। कंपनी ने आगे कहा कि, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि बातचीत और उचित तत्परता चल रही है और यह पहल स्टेकहोल्डर वैल्यू को बढ़ाने, ऑर्गेनिक और इनॉर्गेनिक दोनों विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।1979 में स्थापित, फाइनोटेक्स केमिकल लीडिंग स्पेशल केमिकल प्रोड्यूसर और सोल्यूशन प्रोवाइडर है, जिसका इंटरनेशनल बिजनेस के अलावा डोमेस्टिक टेक्सटाइल इंडस्ट्री के साथ स्पेशलिटी केमिकल्स बाजार में भी अग्रणी स्थान है।

फर्जी रजिस्ट्रेशन तैयार करने पर दो टूर ऑपरेटरों के खिलाफ मेनरी थाने में मुकदमा दर्ज

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित रजिस्ट्रेशन सेन्टर हीना में चेकिंग के दौरान दो टूर ऑपरेटरों का रजिस्ट्रेशन बार कोड फर्जी पाये जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि चेक करने पर दो यात्री बसों की रजिस्ट्रेशन की तिथि फर्जी पायी गयी है।
चारधाम यात्रा का आगाज होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम पर दर्शन के लिए उमड़ रही है। इसी बीच कल फर्जी रजिस्ट्रेशन का मामला भी सामने आया है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित रजिस्ट्रेशन सेन्टर हीना में चेकिंग के दौरान रजिस्ट्रेशन बार कोड चेक करने पर दो यात्री बसों की रजिस्ट्रेशन की तिथि फर्जी पायी गयी, दोनों बसों में 88 तीर्थयात्री सवार थे। श्रद्धालुओं की ओर से बताया गया कि हरिद्वार से टिंकू और माटू नामक दो टूर ऑपरेटर ने उनके रजिस्ट्रेशन में फजीर्वाड़ा कर उनके साथ छलावा किया है। श्रद्धालुओं की तहरीर पर दोनों टूर ऑपरेटरों के विरुद्ध कोतवाली मनेरी पर सरकारी दस्तावेज में धोखे से कूटरचना कर फर्जी रजिस्ट्रेशन तैयार करने पर धारा 420/467/468/471 भादवि में दो अभियोग पंजीकृत किये गये हैं।
पुलिस कप्तान यदुवंशी ने बताया है कि उत्तरकाशी पुलिस आपकी यात्रा को सरल, सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए लगातार कटिबद्ध है। कोई भी यात्री बिना रजिस्ट्रेशन व रजिस्ट्रेशन की तिथि से पूर्व या बाद यात्रा पर न आएं। सभी श्रद्धालु अपना पंजीकरण आधिकारिक साइट से ही करें, किसी भी जालसाज के बहकावे में न आएं। पंजीकरण सेन्टर में लगातार चेकिंग की जा रही है, यदि किसी का पंजीकरण फर्जी पाया जाता है तो उन्हें किसी भी दशा में यात्रा नहीं करने दी जायेगी। उन्हें वहीं से लौटा दिया जायेगा। फर्जी पंजीकरण के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

धामी ने चारधाम यात्रा की कमान संभाली, समीक्षा बैठक के बाद जाएंगे बड़कोट

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चारधाम यात्रा की व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक कर रहे हैं। बैठक के बाद मुख्यमंत्री बड़कोट जाएंगे। यमुनोत्री धाम यात्रा की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे।
मुख्यमंत्री धामी ने देशभर भर के अपने सभी राजनीतिक कार्यक्रम को टालकर चारधाम यात्रा की कमान खुद संभाल ली है। उसका असर जल्द देखने को मिलेगा। धामी का कहना है कि तीर्थयात्रियों को सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित दर्शन कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने पहले की बैठकों में अधिकारियों को ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर यात्रा से जुड़ी हर व्यवस्था देखने को कहा था।

नाबालिग को बहलाकर ले जाने के मामले में आरोपित गिरफ्तार

सकुशल बरामद

▶▶ पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया है।थाना लक्सर में हरिद्वार निवासी मदनपाल पुत्र रतीराम ने गुरुवार को कोतवाली लक्सर में तहरीर देकर नाबालिग किशोरी भगा ले जाने के संबंध में नामजद तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने आरोपित की गिरफ्तारी व नाबालिग की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने आरोपित आस मोहम्मद उर्फ आसु पुत्र सलीम निवासी नेहन्दपुर सुठारी थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार कर नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया है।

गर्मी में पानी की सुचारू आपूर्ति को नाकाम जल संस्थानः सेठी

पानी की किल्लत

▶▶महानगर व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने हरिद्वार में बढ़ती पानी की किल्लत पर चिंता जताई है

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
महानगर व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने हरिद्वार में लगातार बढ़ती पानी की किल्लत पर चिंता जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेज कर जल संस्थान और उसके अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।
सेठी ने पत्र में मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में बताया कि सरकारी नल या तो उखड़ गए हैं या जो हैं वह सूखे हैं। हरिद्वार हर की पैड़ी पर मात्र एक या दो नल हैं। इससे आने वाले श्रद्धालुओं को बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है। वहां के आसपास पानी की महंगी बोतलें बिक रही हैं। श्रद्धालु और आम नागरिक गर्मी सीजन में भुगत रहे हैं। कई जगह लीकेज अधिकारियों की लापरवाही के कारण ठीक नहीं होती। सुबह-शाम 2 घंटे लो प्रेशर के साथ पानी की सप्लाई से भी लोग परेशान हैं। महामंत्री नाथीराम सैनी एवं जिला उपाध्यक्ष पंकज माटा ने कहा कि अनुभवहीन ठेकेदारों ने सड़कें खोद कर छोड़ दी जाती हैं और लीकेज का स्थाई समाधान नहीं किया जाता है। कनेक्शन के लिए कोई रोड कटिंग जमा नहीं होता। कई कालोनियों में पूरा-पूरा दिन पानी उपलब्ध नहीं हो पाता। जल संस्थान की लापरहवाही गर्मी के सीजन में जनता पर भारी पड़ रही है, जिसे सुधारना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मांग करने वालों में प्रीत कमल, जितेंद्र चौरसिया, रणवीर शर्मा, मुकेश अग्रवाल, सुनील मनोचा, अनिल कोरी, एसएन तिवारी, एसके सैनी, राकेश सिंह, अजितेश कुमार, सोनू चौधरी शामि थे।

लॉकडाउन की अवधि के सभी मुकदमे वापस, सूचनाधिकार से मिली जानकारी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड शासन ने एक शासनादेश जारी कर उत्तराखंड राज्य में उत्तर प्रदेश की तरह लॉकडाउन की अवधि में आपदा प्रबंधन अधिनियम एवं महामारी अधिनियम तथा भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में दर्ज सभी मुकदमे वापस ले लिये हैं। यह जानकारी सूचना अधिकार के अंतर्गत नदीम उद्दीन को संबंधित शासनादेश की प्रति उपलब्ध होने से हुई है।
काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड सरकार की ओर से मुकदमे वापसी संबंधी सूचना लोक सूचना अधिकारी अभियोजन निदेशालय उत्तराखंड से मांगी थी। निदेशालय से सूचना प्रार्थना पत्र जिलों के अभियोजन कार्यालय हस्तांतरित करने पर अल्मोड़ा जनपद की लोक सूचना अधिकारी/सहायक अभियोजन अधिकारी शिखा श्रीवास्तव ने लॉकडाउन अवधि में मुकदमे वापसी के संबंध में शासनादेश संख्या 203 की प्रतिलिपि उपलब्ध कराई है।

शासनादेश के अनुसार कोविड-19 के काल के दौरान लॉकडाउन की अवधि में आपदा प्रबंधन अधिनियम, महामारी अधिनियम व भारतीय दंड विधान आईपीसी की धारा 188, 269, 270 एवं 271 के अंतर्गत दर्ज सभी मुकदमों को वापस लिए जाने की कार्यवाही करने को आदेशित किया गया है।
शासनादेश में उल्लेखित है कि उत्तर प्रदेश के शासनादेश संख्या 1042/डब्ल्यू सी/सात न्याय-5-2021 डब्ल्यू सी/2021, 26-10-2021 द्वारा इसी प्रकार के मुकदमों की वापसी के लिए निर्गत शासनादेश में आपदा प्रबंधन अधिनियम, महामारी अधिनियम, भावि की धारा 188, 269, 270 एवं 271 तथा मामले से संबद्ध भारतीय दंड संहिता की अन्य अपराध की धाराएं जिसमें अधिकतम दो वर्ष की सजा और जुमार्ने का प्रावधान है, से संबंधित पूरे प्रदेश में जनसामान्य (वर्तमान तथा पूर्व सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य छोड़कर) के विरुद्ध पंजीकृत अभियोगों को वापस लिए जाने की लिखित अनुमति के निर्णय के साथ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 321 में उल्लेखित प्रावधानों का अनुपालन करते हुए मुकदमें वापस लिए जाने संबंधी आदेश जारी किया गया है।इन मुकदमों में लॉकडाउन उल्लंघन आदि गाइडलाइन व आदेशों के उल्लंघन के अतिरिक्त भारतीय दंड संहिता की धारा 188 अंतर्गत छह माह तक की सजा से दंडनीय लोक सेवक के आदेशों का पालन न करना, उसे बांधा या नुकसान पहुंचाने का अपराध, धारा 269 के अंतर्गत दंडनीय उपेक्षा से जीवन को खतरे में डालने वाला कार्य करने का छह माह की सजा से दंडनीय अपराध धारा 270 के अंतर्गत जानबूझकर, जीवन के लिए संकट पूर्ण या रोग फैलाने वाला कार्य करने के अपराध दो वर्ष तक की सजा से दंडनीय अपराध तथा 271 के अंतर्गत क्वारंटीन के नियम का जान-बूझकर उल्लंघन का दो वर्ष तक की सजा से दंडनीय अपराधों के मुकदमें शामिल है।

आलानकब के साथ चार गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
शहर कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चार लोगों को आलानकब के साथ गिरफ्तार किया है। ये लोग गंगा घाटों पर यात्रियों का सामान चोरी करते थे।
शहर कातवाली पुलिस को मुखबिर द्वारा सूर्य उदय होटल के सामने रेलवे सुरंग हर की पैड़ी के समीप चार लोगों के चोरी की योजना बनाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए चारों को धर दबोचा। आरोपितों के पास से पुलिस ने आलानकब बरामद किया।
आरोपित घाटों और बस स्टेशन पर लोगों का बैग, पेंट, मोबाइल आदि चोरी करने का कार्य करते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने

अपने नाम व पते विनोद कुमार निवासी छेतकपुखा थाना धानेपुर जिला गोंडा उत्तर प्रदेश, गगन कुमार निवासी ग्राम पनकसिया नौरग मोतीगंज जिला गोंडा उत्तर प्रदेश, सुमित थापा निवासी गोसाई गली कोतवाली नगर जनपद हरिद्वार व सोनू निवासी चंडीघाट थाना श्यामपुर जनपद हरिद्वार बताए। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

उफ! ये गर्मी अब छुड़ाएगी पसीना, लू की चेतावनी

मौसम विभाग ने लू चलने की संभावना जताई और सात जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है

मौसम विभाग

▶▶अगले तीन दिन लोगों को भीषण गर्मी और सताएगी। मैदानी इलाकों में 20 मई तक तापमान बढ़ने के आसार हैं

देहरादून

उत्तराखंड में अगले तीन दिन लोगों को भीषण गर्मी और सताएगी। मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहने से 20 मई तक लगातार तापमान बढ़ने के आसार हैं। शुक्रवार को देहरादून में रिकॉर्ड 40 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं मौसम विभाग ने लू चलने की संभावना जताई और सात जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। 21 मई से मौसम में बदलाव का अनुमान है।

देहरादून मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने एक बार फिर से चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक गर्मी जारी रहेगी। 20 मई तक ये गर्मी मैदानी इलाकों में तापमान बढ़ा सकती है। उन्होंने बताया कि 22 मई के बाद कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। कुछ हल्की फुल्की बारिश हो सकती है, लेकिन तब तक मैदानी इलाकों में गर्मी अपने चरम पर रहेगी।

इन जिलों में येलो अलर्ट

पूर्वानुमान के मुताबिक शुक्रवार को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, देहरादून (पर्वतीय क्षेत्र), पिथौरागढ़, बागेश्वर, नैनीताल, अल्मोड़ा और चंपावत जिले में कहीं-कहीं बिजली चमकने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र ने इन सभी सात जिलों को येलो अलर्ट पर रखा है।

चारधाम यात्रा को मौसम को लेकर कोई खास परेशानी नहीं

फिलहाल प्रदेश में जारी चारधाम यात्रा में मौसम को लेकर कोई खास परेशानी वाली बात नहीं है, लेकिन 20 मई के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इसमें बारिश और तेज हवाएं देखने को मिल सकती हैं। बाकी मौसम साफ ही रहने वाला है तो यात्रा में कोई परेशानी वाली बात नहीं है।

दोपहर 12 से 3 बजे तक धूप में कम निकलें

एसटीएच के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. विवेकानंद सत्यवली ने बताया कि लू लगने का सबसे अधिक खतरा बच्चों व बजुर्गों को होता है। क्योंकि उनके शरीर का तापमान नियंत्रित करने का सिस्टम कमजोर होता है। जो लोग धूप में अधिक देर तक काम करते हैं, उन्हें भी लू लगने की आशंका रहती है। दोपहर 12 से 3 बजे के बीच धूप में बाहर निकलने से बचें।

लू लगने के लक्षण और बचने के उपाय

लू लगने पर सिर दर्द शुरू हो जाता है। कई लोग गर्मी की वजह से बेहोश हो जाते हैं, जिसे हीट सिंकोप कहा जाता है। उल्टी, चक्कर आना, बुखार व पसीना अधिक आना लगातार या अधिक देर तक लू में रहने पर शरीर से पसीना आना बिल्कुल बंद हो जाता है। बचाव के लिए ओआरएस का घोल या घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी आदि का सेवन करें। धूप में निकलते समय अपना सिर ढक कर रखें। कपड़ा, टोपी या छतरी का प्रयोग करें। दही, खीरा, खुमानी, तरबूज, अंगूर जैसे फलों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

दहेज में कार नहीं मिली तो पत्नी को तीन तलाक देकर घर से निकाला

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

दहेज के लालच में युवक ने अपनी पत्नी को मारपीट कर घर से निकाल दिया और पत्नी को तीन तलाक भी दे दिया। पीड़ित महिला ने पति समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और तीन तलाक देकर घर से बाहर निकलने के संबंध में पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने पति समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामला लक्सर कोतवाली क्षेत्र के गांव माखियली निवासी इशरत ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 10 अप्रैल वर्ष 2012 को थाना बहादराबाद क्षेत्र के हलवाहेड़ी गांव निवासी सलमान के साथ हुई थी। शादी में उसके परिजनों ने अपनी हैसियत से अधिक दहेज दिया था, लेकिन उसके ससुराल वाले इससे संतुष्ट नहीं थे तथा शादी के बाद से ही दहेज में कार की मांग करते चले आ रहे थे। मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष के लोग उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। शिकायत में बताया गया कि 14 मई को उसके पति सलमान, सास रहमानी, ससुर मुर्तजा, देवर साहिब व युसूफ ने उसके साथ मारपीट कर उसे कमरे में बंद कर दिया। सुबह किसी तरह वह कमरे से बाहर निकाली तथा अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी। जानकारी मिलने पर उसके परिजन मौके पर पहुंचे तो ससुराल पक्ष के लोगों ने उनके साथ भी बदसलूकी की। उसके पति सलमान ने तीन बार तलाक-तलाक बोलकर उसे तीन तलाक दे दिया।

कोतवाली प्रभारी राजीव रौथान ने बताया कि महिला ने अपने पति व सास, ससुर के विरुद्ध दहेज के लिए मारपीट करने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

डीएम ने पैदल पहुंचकर हेमकुंड यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

निर्देश

▶▶-25 मई से शुरू होगी हेमकुंड साहिब की यात्रा, -हेमकुंड साहिब में अभी भी जमा है करीब आठ फीट बर्फ

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया

हेमकुंड साहिब की यात्रा शुरू होने से पहले जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने विभागीय अधिकारियों के साथ गोविंद घाट गुरुद्वारा से हेमकुंड साहिब तक 18 किलोमीटर की दूरी पैदल चलकर यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हेमकुंड साहिब की यात्रा को सुगम और सुखद बनाने के लिए यात्रा से पहले पैदल मार्ग पर सभी व्यवस्थाओं को सुचारू किया जाए। हेमकुंड साहिब और लोकपाल मंदिर की यात्रा इस साल 25 मई से शुरू होगी। हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के आसपास अभी भी करीब आठ फीट बर्फ है। यहां लक्ष्मण मंदिर और हेमकुंड सरोवर भी पूरी तरह से बर्फ से ढका हुआ है। हालांकि सेना के जवानों ने हेमकुंड साहिब मार्ग पर बर्फ हटाकर आवाजाही सुचारू कर दी है।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पैदल यात्रा मार्ग पर मोड सुधारीकरण, रेलिंग, पार्किंग, घोड़ा पड़ाव तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेन शेल्टर, यात्री शेड, बेंच, साइनेज सहित बिजली, पानी, शौचालय, साफ सफाई, स्वास्थ्य और सुरक्षा की समुचित व्यवस्थाएं की जाएं। घोड़े-खच्चरों के लिए भी गर्म पानी की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाओं को सुचारू करें। यात्रा मार्ग पर किलोमीटर, हेक्टोमीटर स्टोन और साइनेज लगाए जाएं। जल संस्थान को यात्रा मार्ग पर सभी स्टैंड पोस्टों और वाटर एटीएम में शुद्ध पेयजलापूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने इको विकास समिति को पुलना, भ्यूंडार, जंगल चट्टी, घांघरिया, अटलाकोटी में निर्मित नए शौचालयों में रंगरोगन और यात्रा मार्ग पर सभी सुलभ शौचालयों में बिजली, पानी सहित यात्रा मार्ग पर साफ सफाई की समुचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। पुलिस विभाग को यात्रा के दौरान सुरक्षा के सभी इंतजाम करने, एसडीआरएफ के साथ डीडीआरएफ जवानों की भी तैनाती करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने घांघरिया हेलीपैड, थाना, चौकी, अस्पताल सहित यात्रा से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया और हेमकुंड साहिब, लोकपाल मंदिर और वैली ऑफ फ्लावर की यात्रा को सुखद बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर लोनिवि ने 84 खतरनाक मोड़ों में से 72 मोड़ों का सुधारीकरण कार्य पूर्ण कर दिया है और शेष कार्य प्रगति पर है।

सेना के जवानों की ओर से हेमकुण्ड साहिब मार्ग पर बर्फ हटाकर आवाजाही सुचारू कर दी गई है। म्यून्डार गांव में 165 मीटर लंबा पुल बनकर तैयार है। पुलना से हेमकुण्ड तक के ट्रैक पर 14 रेन शेल्टर, दो यात्री शेड, 282 बेंच लगाकर यात्रियों के बैठने के लिए तैयार किए गए हैं। हेमकुंड यात्रा मार्ग पर स्थित 30 पीटीएसपी और टीटीएसपी हैं, जिन पर पेयजल सुचारू करने का काम चल रहा है। पुष्पावती नदी से घांघरिया के लिए नई पेयजल लाइन पर भी काम शुरू हो गया है। साथ ही घांघरिया में घोड़े-खच्चरों के लिए बाईपास बनाया गया है।

शत प्रतिशत छात्रवृत्ति के साथ दिव्यांशु का हुआ टेटर कालेज में प्रवेश

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

आचार्यकुलम् वाणिज्य वर्ग से इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले आचार्यकुलम् के विद्यार्थी दिव्यांशु यश ने टेटर कॉलेज ऑफ बिजनेस में शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति के साथ अपना प्रवेश सुनिश्चित कर आचार्यकुलम् को गौरव प्रदान किया है। कोर्स का नाम है बैचलर ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी और यह बिजनेस और टेक्नोलॉजी दोनों सब्जेक्ट्स का एक मिश्रण है।

उल्लेखनीय है कि टेटर कॉलेज ऑफ बिजनेस पूरे विश्व में अपनी तरह का इकलौता कॉलेज है, जिसमें छात्र अपनी डिग्री प्राप्त करने के लिए व बिजनेस सीखने के लिए 7 अलग-अलग देशों अमेरिका, इटली, सिंगापुर, घाना, ब्राजील, दुबई एवं भारत जाएंगे।

जाम में फंसे यात्रियों को जिला प्रशासन ने बांटे फूड पैकेट

जाम

▶▶श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने से यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

बाबा श्रीकेदारनाथ धाम जाने वाले बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने से यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है। जिला प्रशासन ने शुक्रवार को गर्मी को देखते हुए जाम में फंसे श्रद्धालुओं को फूड पैकेट और पानी की बोतलों का वितरण किया। पुलिस प्रशासन व्यवस्था सुदृढ़ करने कर जाम खुलवाने और कतारबद्ध संचालन करवाने के लिए जुटा है।

11वें ज्योतिर्लिंग बाबा श्रीकेदारनाथ धाम के कपाट खुलने से अब तक एक लाख 83 हजार 677 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ के दर्शन किए हैं, जो एक नया कीर्तिमान है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से यात्रा मार्ग पर कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है।

वाहनों के जाम में फंसे होने से श्रद्धालु परेशान हैं। राहत पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने ब्यूंगगाड़, फाटा, जामू आदि क्षेत्रों में जाम में फंसे 2500 श्रदालुओं को जिला पूर्ति अधिकारी मनोज कुमार डोभाल एवं सेक्टर अधिकारी फाटा नरेंद्र कुमार एवं उनकी टीम ने तीर्थयात्रियों को उनकी गाड़ियों में फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें वितरित कीं। गर्मी में फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें पाकर तीर्थ यात्रियों के चेहरे पर खुशी की झलक दिखी।

नाबालिग अपहृत को बरामद कर पुलिस ने अपहरणकर्ता को दबोचा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

रानीपुर कोतवाली पुलिस ने नाबालिग के अपहरण के मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहृत नाबालिग को भी सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री के अपहरण का आरोप लगाते हुए राजन पुत्र

कैलाश निवासी बढेडी राजपूताना थाना बहादराबाद हरिद्वार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने गुप्त सूचना पर आरोपित को मंगलौर में अजीज सराय के पास चुंगी न.-5 मतबान मोहल्ले से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से नाबालिग को भी सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने जांच कर रही है।

एचसीसी में तैनात श्रमिकों को बिना नोटिस दिये हटाये जाने के विरोध में प्रदर्शन

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया

वेतन नहीं, के तहत वेतन बन्द कर दिया। हालांकि इसी परियोजना पर कार्य कर रही रितिक कम्पनी के श्रमिकों को वेतन मिलता रहा। सालभर बाद जब कम्पनी ने रख रखाव के नाम पर कार्य पुनः शुरू किया तो स्थानीय श्रमिकों की उपेक्षा करनी शुरू कर दी। कम्पनी की ओर से बगैर अनुमति के विस्फोटकों के इस्तेमाल पर आपत्ति करने के कारण स्थानीय श्रमिकों को बगैर समयबद्ध नोटिस के रातों रात निकाल दिया गया। श्रमिकों का वाजिब वेतन भत्ता भी नहीं दिया गया।

अब कम्पनी में स्थानीय बेरोजगारों के स्थान पर अन्य भर्तियां की जा रही हैं। इसमें स्थानीय प्रभावितों की उपेक्षा की जा रही है। उनका कहना है कि पूर्व में उनकी ओर से लगातार पत्राचार किया जा रहा है लेकिन उनकी मांग पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ऐसे में प्रभावित परिवारों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन के माध्यम से सरकार से मांग की गई कि हटाये गये श्रमिकों को बहाल किया जाए अन्यथा उन्हें एनटीपीसी के कार्य को रोकने के लिए विवश होना पड़ेगा।

इस मौके पर नीरज सिंह, बलवंत सिंह, अनूप सिंह, मनवर सिंह, मनोज लाल, समर भंडारी, राजेंद्र खनेडा, जयंती देवी, सुलोचना देवी के साथ ही आंदोलन के समर्थन में भाकपा माले के गढ़वाल सचिव अतुल सती भी मौजूद थे।

हरिपुर के प्रेम विहार चौक पर पहुंचा जंगली हाथी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

एक हाथी हरिद्वार के समीप उत्तरी हरिद्वार की सीमा पर स्थित हरिपुर कलां में बीती रात घुस आया। हरिपुर के प्रेम विहार के समीप व्यस्त मार्ग है। वहां से जैसे ही हाथी गुजरा, वहां भगदड़ की स्थिति बन गई और हाथी काफी देर तक इधर-उधर चहलकदमी करते हुए भोर में मोतीचूर की ओर निकल गया।ज्ञातव्य है कि हरिपुर राजाजी पार्क की सीमा पर बसा हुआ गांव है, जहां पहले बड़े हिस्से में खेत और बाग थे और यहां हाथी और जंगली जानवर अक्सर आते जाते थे लेकिन अभी वहां पूरा शहर बस गया है।

केदारनाथ धाम मार्ग पर बिना रजिस्ट्रेशन वाले यात्री वाहनों की एंट्री बंद

केदारनाथ/देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

चारधाम यात्रा के तहत केदारनाथ धाम तक बिना पंजीयन के आने वाले वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। सीतापुर और सोनप्रयाग स्थित पार्किंगों में सीमित स्थान होने के कारण स्थानीय प्रशासन केवल निर्धारित तिथि का पंजीकरण होने पर ही वाहनों को प्रवेश दे रही है। रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने शुक्रवार को चौकी जवाड़ी पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम सहित यात्रा पड़ावों पर रुकने वालों की एक निश्चित क्षमता है। रुद्रप्रयाग जनपद स्थित पार्किंगों की भी एक निश्चित क्षमता है। सबसे बड़ी बात यह है कि सीतापुर और सोनप्रयाग स्थित पार्किंगों में

किसी वाहन की एंट्री हो जाने के उपरांत वाहन तीन दिन तक पार्किंग में ही रहता है। उन्होंने कहा कि पार्किंग में निकासी काफी कम होने व बाहर से अत्यधिक वाहनों के आने से यात्रा मार्ग पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा है। वाहनों के दबाव कम करने के लिए रुद्रप्रयाग जनपद के चौकी जवाड़ी बाईपास पर बाहर से आने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही है। बद्रीनाथ धाम की तरफ जा रहे वाहनों को मुख्य बाजार रुद्रप्रयाग होते हुए जाने दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि केदारनाथ धाम की ओर जाने के लिए केवल निर्धारित तिथि का पंजीकरण होने पर ही जाने दिया जा रहा है।

पैदल, डंडी-कंडी या घोड़े-खच्चर से केदारधाम पहुंच रहे श्रद्धालु

केदारनाथ धाम जाने वाले मार्ग पर पुलिस यातायात को नियंत्रित करने के लिए वाहनों को सीतापुर व सोनप्रयाग की ओर भेजा जा रहा है। तिलवाड़ा, काकड़ागाड़, नारायणकोटि, दगड़या बैरियर (फाटा) शेरसी में अस्थायी बैरियरों से सीतापुर व सोनप्रयाग पार्किंग से हो रही निकासी के क्रम में इन स्थानों से वाहन आगे की ओर भेजे जा रहे हैं। सीतापुर व सोनप्रयाग पहुंचे यात्रियों को शटल पार्किंग सोनप्रयाग तक भेजे जाने के लिए कतारबद्ध करते हुए गौरीकुंड व यात्रियों की सुविधानुसार, पैदल, डंडी-कंडी या घोड़े-खच्चर की सहायता से केदारनाथ धाम भेजा जा रहा है।

चारधाम यात्रा व्यवस्था संभालने के मोर्चे पर लगी मुख्यमंत्री की टीम, हालात सुधरे

चारधाम यात्रा

▶▶यात्रा सुगम व सुचारू रूप से चल रही है। टीम धामी के कई आला अधिकारी चारधाम यात्रा मार्गों पर डटे हैं।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

राज्य में चारधाम यात्रा के शुरूआती चरण में उमड़ रही अप्रत्याशित भीड़ को नियंत्रित करने के साथ यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं की सुगमता के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी टीम ने मोर्चा संभाला है। इसके परिणामस्वरूप अब यात्रा सुगम व सुचारू रूप से चल रही है। टीम धामी के कई आला अधिकारी चारधाम यात्रा मार्गों पर डटे हैं।

गुरुवार को मुख्यमंत्री धामी हरियाणा में चुनावी दौरे पर थे लेकिन हालातों की नाजुकता को भांपते हुए धामी दोपहर में ही देहरादून लौट आए और यहां उच्च स्तरीय बैठक ली। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट कहा कि बगैर पंजीकरण के आ रहे यात्रियों को लौटाया जाए, परिवहन विभाग इसकी जगह चेकिंग करे। धामों की क्षमता के लिहाज से ही यात्रियों को भेजा जाए और जहां उन्हें होल्ड करने की आवश्यकता पड़ रही है, वहां उन्हें मूलभूत सुविधाएं जैसे भोजन, पानी, पार्किंग इत्यादि की व्यवस्था की जाए। धामी ने शुक्रवार को भी सचिवालय में अपने अधिकारियों के साथ बैठक की और सीधा ग्राउंड जीरो पर जायजा लेने के लिए बड़कोट पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस बार अप्रत्याशित रूप से भीड़ उमड़ रही है लेकिन टीम के प्रयासों से यात्रा को व्यवस्थित कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है।मुख्यमंत्री धामी के निदेर्शों पर पहले ही उनके सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम से लेकर अन्य अधिकारियों को उत्तराकाशी, रुद्रप्रयाग जिलों में तैनात किया गया है। इसका नतीजा यह हुआ कि स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर चीजों को व्यवस्थित करने में मदद मिली। मुख्यमंत्री की बैठक का असर यह हुआ कि 24 घंटे बीतने से पहले ही तमाम स्थानों पर यात्रा काफी हद तक सुचारू रूप से संचालित होने लगी है। बड़ी संख्या में पहुंच रहे यू ट्यूबर के लिए दिशा निर्देश जारी कर धामों के 50 मीटर के दायरे में रील बनाने प्रतिबंधित लगा दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि चारधामों के 10 मई व 12 मई को कपाट खुलने के बाद से इस बार यात्रियों की संख्या नया रिकॉर्ड बना रही है। यात्रियों की सुगम, सुरक्षित व निर्बाध यात्रा के लिए धामी सरकार लगातार निगरानी कर रही है। गत वर्ष जब कपाट यमुनोत्री धाम के कपाट खुले थे तो कुल 6,838 श्रद्धालु आए थे, जबकि इस वर्ष कपाट खुलने वाले दिन दोगुना यात्री 12,193 यात्री पहुंचे।

गांजे की तस्करी कर रहा दिव्यांग गिरफ्तार

गांजा बरामद

▶▶गिरफ्तार आरोपित की तलाशी लेने पर उसके पास से 01 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद हुआ

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया

रानीपुर कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक दिव्यांग गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से करीब डेढ़ किलो गांला बरामद किया गया है। अवैध मादक पदार्थों और नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत चेकिंग के दौरान रानीपुर कोतवाली पुलिस ने रेग्यूलेटर पुल के दक्षिणी किनारे से एक आरोपित को गिरफ्तार किया। आरोपित की तलाशी लेने पर उसके पास से 01 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

पुलिस पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम व पता अमित कुमार लोधी निवासी मोहल्ला हनुमान गढ़ी निधासन थाना निधासन जिला लखीमपुर खीरी उ.प्र. बताया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

संपादकीय

सामाजिक समरसता

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता, सबसे बड़े स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो में सामाजिक समरसता का अनूठा दर्शन हो रहा है। वह वाराणसी से तीसरी बार उम्मीदवार हैं। परचा भरने से एक दिन पहले वाराणसी में भी प्रधानमंत्री ने रोड शो किया। रोड शो में उमड़ा जनसमुद्र काशी के चुनावी इतिहास में अद्भुत व अकल्पनीय रहा। वाराणसी के पूर्व ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से लेकर बिहार की राजधानी पटना तक के रोड शो में जिस प्रकार की जन भावनाएं मोदी के प्रति देखने को मिलीं, उनसे साफ संकेत मिलता है कि अबकी बार फिर मोदी सरकार ही बनने जा रही है । प्रधानमंत्री के रोड शो की सबसे बड़ी विशेषता सामाजिक समरसता है। इनमें नारी शक्ति का वंदन भी हो रहा है और एक भारत श्रेष्ठ भारत के दर्शन भी हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो में उनके समाजसेवा व भक्ति भाव के विविध रूपों के दर्शन भी हो रहे हैं। रोड शो के दौरान वह भीड़ में भी बच्चों को भी दुलार कर संदेश दे रहे हैं कि यह कल के निमार्ता हैं। जहां कहीं भी प्रधानमंत्री का रोड शो होता है वहां से नया समीकरण सामने आ जाता है और विपक्ष हतप्रभ रह जाता है। उसे समझ में नहीं आता कि वह करे तो क्या करे। जब पटना में प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो निकल रहा था, उस समय उनके साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार थे और लोगों के आश्चर्यचकित होने का ठिकाना उस समय नहीं रहा जब उन्होंने नीतीश कुमार के हाथ में कमल का फूल देखा अर्थात पटना के रोड शो में बिहार के मुख्यमंत्री के हाथ में उनकी अपनी पार्टी का चुनाव चिह्न न होकर कमल का फूल था जिसे लेकर अब बिहार की राजनीति में तरह-तरह के कयास लगने आरम्भ हो गए हैं। लोकसभा चुनाव के बाद बिहार का राजनीति किधर जाती है, नीतीश कुमार यह इशारा काफी है।

वाराणसी का रोड शो तो स्वाभाविक रूप से ही अद्भुत होना ही था। यहां मां गंगा के बेटे का रोड शो जो था। वाराणसी में प्रधानमंत्री मोदी की एक झलक पाने के लिए और उन्हें देखने के लिए हर कोई बेताब था । अपने सांसद के लिए पूरा बनारसी जनसमुद्र उमड़ पड़ा। स्वागत में झांकियां सजायीं गईं। पुष्प वर्षा की गई। भगवा और तिरंगे लहराये। हर-हर महादेव और जय श्रीराम से आसमान गुंजायमान कर दिया गया। ऐसा प्रतीत हुआ कि सनातन का सूर्योदय हो चुका है बस उसका तिलक ही शेष रह गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पांच किलोमीटर लंबे रोड शो के माध्यम से सामाजिक, आध्यात्मिक व जातीय गुणा - गणित पूरी तरह से साध लिया है। वाराणसी की धरती पर यह लहर नहीं, सुनामी का आगाज है। प्रधानमंत्री मोदी के नामांकन पत्र दाखिल करने के समय राजग गठबंधन के सभी बड़े नेताओं की उपस्थिति रही। उत्तर से लेकर दक्षिण और पश्चिम से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों के सभी बड़े नेताओं का संगम दिखा। इनमें उल्लेखनीय रही बिहार की चर्चित चाचा-भतीजे की जोड़ी अर्थात चिराग पासवान व पशुपति पारस की उपस्थिति। वाराणसी में दोनों की उपस्थिति व आपसी केमेस्ट्री को देखकर बिहार की सियासत में विरोधी दलों के नेताओं को तनाव हो गया है। चाचा भतीजे की इस जोड़ी को लेकर मोदी विरोधी मीडिया में जो कयास लगाये जा रहे थे वे ध्वस्त हो गए। वाराणसी में राजग नेताओं ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन पूरी मजबूती से अपने नेता के साथ खड़ा है और उन्हें ही 400 पार सीटों के साथ तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। इंडी गठबंधन पूरी तरह से फ्यूज है।

और अब नामांकन भी बन गया उत्सव

निर्मल रानी

> "परन्तु इन्हीं नरेंद्र मोदी का एक ऐसा रूप भी है जो उनकी बालकथा से बिल्कुल विपरीत है। उनका खान पान परिधान आदि तो शाही हैं ही साथ ही उनके राजनैतिक व सरकारी क्रिया कलाप व आयोजन भी इतने खचीर्ले हैं जितने कि पूर्व के किसी भी प्रधानमंत्री के नहीं रहे। मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही अपनी यात्रा के लिए लगभग 8,458 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक दो बोईंग 777-300एफविमान खरीदे। यह विमान अमेरिकी राष्ट्रप?ति के एयरफोर्स वन की तरह के हैं। बल्कि कई मामलों में उससे भी आधुनिक हैं। एक 'गरीब प्रधानमंत्री' के इस कदम की बहुत आलोचना हुई थी क्यूंकि इसमें देश की गरीब जनता का पैसा लगा था। इसी के साथ मोदी ने सेंट्रल विस्टा नामक परियोजना के तहत नया संसद भवन बनवा डाला। इस परियोजना की लागत अनुमानत: 13,450 करोड़ थी"

चाहे वह प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो, चुनाव प्रचार में रैली या रोड शो करना हो,जी एस टी जैसी नीति लागू करनी हो यहां तक कि कोविड जैसी विश्व की अब तक की सबसे बड़ी आपदा ही क्यों न हो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन जैसे सभी अवसरों में 'उत्सव' तलाशने में विशेष महारत रखते हैं । हालांकि समय समय पर जरुरत के अनुसार वे यह भी बताने से भी नहीं चूकते कि उनकी परवरिश बेहद गरीबी में हुई। वह सार्वजनिक तौर पर भी कई बार अपनी गरीबी का जिक्र करते हुये अपने बचपन की कई दास्तानें सुना चुके हैं। वे स्वयं अपने व अपनी मां के पीड़ादायक दिनों का जिक्र करते हुये बता चुके हैं -'कि बेचारी मेरी मां बर्तन साफ किया करती थीं। मैंने अपनी मां को दूसरों के घरों में बर्तन मांजते देखा है। साथ ही वह हमारा पालन पोषण भी बखूबी करती थीं। उन्होंने यह भी बताया था कि -' हम बिनौले छीलते थे, सुबह बेचने जाते थे, जिससे हमें जीने के लिए कुछ मजदूरी मिलती थी'। मोदी ने कहा कि मजबूरियों से घिरी मां के बोझ को कम करने के लिए मैंने खुद चाय बेची थी। प्रायः वे अपनी परवरिश के लिए दिये गये अपनी मां के बलिदान को याद करते रहते हैं। उनकी इस बाल कथा को सुनकर निश्चित रूप से सुनने वालों का मन यह सोचकर द्रवित हो उठता है कि इतनी गरीबी में पलने वाला व्यक्ति किस तरह भारतीय संविधान व लोकतंत्र की महिमा से देश के सर्वोच्च पद तक पहुँच सका। और जब वही मोदी यह कहते हैं कि मैं प्रधानमंत्री नहीं बल्कि प्रधानसेवक हूँ। वे स्वयं को फकीर भी बताते हैं। यहाँ तक कि जब उनसे यह पूछा जाने लगता है कि उनमें यह 'फकीरी ' आई कहाँ से ? और वे खुद ही यह भी कहते हैं कि -'विरोधी मेरा क्या कर लेंगे? हम तो फकीर आदमी हैं, झोला लेकर चल पड़ेंगे।यह फकीरी है, जिसने मुझे गरीबों के लिए लड़ने की ताकत दी है'। संघ से जुड़े अपने शुरूआती दिनों पर रौशनी डालते हुये वे यह भी बता चुके हैं कि काफी दिनों तक वे अहमदाबाद के मणिनगर में डॉ. हेडगेवार भवन में रुके थे ,वहां वे सफाई करते थे। वहां उनका यही काम था,सुबह 5 बजे उठना, झाड़ू-पोछा लगाना. सबके लिए चाय बनाना और

5.20 बजे सबको उठाकर चाय देना। मोदी यह भी कह चुके हैं कि - 'कोई भरोसा नहीं करेगा, लेकिन मैं 35 साल तक भिक्षा मांग कर खाया हूं। बेशक ये बात किसी के गले नहीं उतरेगी। हालांकि, मैं कहीं बता कर नहीं जाता था। वहां जाने पर जो भी मिल जाता, मैं खा लेता। अगर नहीं मिलता तो नहीं खाता। मेरा जीवन ऐसे ही गुजरा है। कभी पार्टी के काम से देर से आया तो खिचड़ी बना कर खा लेता था'। और प्रधानमंत्री बनने के बाद जब वे कभी कभी संतों की वेशभूषा में कहीं कहीं शाष्टांग दंडवत करते दिखाई देते हैं तो भी यही गुमान भी होने लगता है कि वास्तव में देश को गरीबी में परवरिश पाने वाला कोई संत फकीर रुपी प्रधानमंत्री मिला है। जाहिर है ऐसे घोर गरीबी में पलने वाले ऐसे व्यक्ति से तो यही उम्मीद की जा सकती है कि उसका सारा जीवन सादगी से भरा हुआ होगा उसके रहन सहन व क्रिया कलापों में भी सादगी की झलक नजर आएगी। और उसका सारा जीवन गरीबों के कल्याण में व उनका जीवन स्तर ऊपर लेजाने में गुजरेगा।

परन्तु इन्हीं नरेंद्र मोदी का एक ऐसा रूप भी है जो उनकी बालकथा से बिल्कुल विपरीत है। उनका खान पान परिधान आदि तो शाही हैं ही साथ ही उनके राजनैतिक व सरकारी क्रिया कलाप व आयोजन भी इतने खचीर्ले हैं जितने कि पूर्व के किसी भी प्रधानमंत्री के नहीं रहे। मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही अपनी यात्रा के लिए लगभग 8,458 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक दो बोईंग 777-300एफ विमान खरीदे। यह विमान अमेरिकी राष्ट्रप?ति के एयरफोर्स वन की तरह के हैं। बल्कि कई मामलों में उससे भी आधुनिक हैं। एक 'गरीब प्रधानमंत्री' के इस कदम की बहुत आलोचना हुई थी क्यूंकि इसमें देश की गरीब जनता का पैसा लगा था। इसी के साथ मोदी ने सेंट्रल विस्टा नामक परियोजना के तहत नया संसद भवन बनवा डाला। इस परियोजना की लागत अनुमानतः ?13,450 करोड़ थी। यह भी जनता के टैक्स के पैसों से बनाया गया ऐसा प्रोजेक्ट था जिसकी देश को कोई आपातकालीन जरुरत नहीं थी। पुराना संसद भवन भी अभी पूरी तरह मजबूत अवस्था में है। मगर यह सब एक 'फकीर प्रधानमंत्री' के फैसले थे। मोदी जी को जहां मंहगे व बेशकीमती परिधान पहनने व दिन में कई बार लिबास बदलने का शौक है वहीँ इनकी घड़ियाँ व पेन आदि भी लाखों रुपए कीमत के और विदेशी होते हैं। याद कीजिये राष्ट्रपति ओबामा के भारत दौरे पर मुलाकात के समय नरेंद्र मोदी ने जो कोट सूट पहना था उसके फैब्रिक में ही नरेंद्र दामोदरदास मोदी बुना हुआ था। जब इस आलीशान शहंशाही परिधान की खूब आलोचना हुई तो इसे नीलाम कर दिया गया।

उसी के बाद विपक्षी मोदी सरकार को सूट बूट वाली सरकार कहते हैं। मेकअप कराना फोटो शूट कराना,पोज देना ,कैमरे में अपने सिवा अन्यों को फ्रेम से बाहर रखना जैसी 'फकीरी भरी ' बातों से तो सभी वाकिफ हैं।

इतना ही नहीं बल्कि सरकारी खर्च पर बड़े बड़े आयोजन करना चुनावी सभाओं व रैलियों को करोड़ों खर्च कर उत्सव का रूप देना ,अपनी छवि चमकाने के लिया एजेंसियां अनुबंधित करने व विज्ञापन आदि पर जनता का पैसा खर्च करना भी इनके शगल में शामिल है। गुजरात में चुनाव प्रचार के दौरान सी प्लेन मोदी ने सी प्लेन उद्घाटित किया और वोट बटोरने की कोशिश की परन्तु बाद में वह सेवा ही बंद हो गयी। जी एस टी जैसा कथित तौर पर व्यावसायिक विरोधी कहा जाने वाला कानून जिस रात लागू हुआ उस रात तो ऐसा जश्न मनाया गया गोया देश को नई आजादी मिली हो। चुनावों में होने वाले इनके रोड शो बेहद खचीर्ले होते हैं। इनके रोड शो में ट्रकों में भरकर फूल मंगाए जाते हैं। एक स्थान पर सैकड़ों कार्यकर्त्ता उनकी पंखुड़ियां अलग करते हैं।

फिर पूरे रस्ते में पार्टी कार्यकर्त्ता निर्धारित दूरी व स्थान पर थैलों में उन पंखुड़ियों को लेकर सड़कों व छतों पर खड़े होते हैं। और 'शहंशाह रुपी फकीर' के वहां से गुजरने पर उनपर पुष्प वर्षा करते हैं। जबकि देश को टी वी पर देखने में यही लगता है कि जनता फूल बरसा कर उनका स्वागत कर रही है। पिछले दिनों वाराणसी में उनके नामांकन के दौरान भी इसी तरह का दृश्य देखने को मिला। पहले उन्होंने 13 मई को वाराणसी में 6 किमी लंबा बेहद खचीर्ला रोड शो किया। उसके बाद क्रूज पर बैठ वाराणसी के घाटों का भ्रमण किया। उसी क्रूज पर एक 'गोदी मीडिया ' के सदस्य टी वी चैनल को एक सुगम साक्षात्कार दिया। उसमें अपनी भावुकता जमकर दर्शायी। उसके बाद 14 मई को नामांकन में तो काशी में भाजपा के दिग्गजों का जमावड़ा लग गया। इनमें गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा,केंद्रीय मंत्रिमंडल के कई मंत्री,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व अनेक मंत्रियों के अलावा कई राज्य के मुख्यमंत्री भी वहां मौजूद रहे। गोया करोड़ों रुपए खर्च कर 'फकीर' की इस नामांकन प्रक्रिया को भी एक उत्सव का रूप दे दिया गया।

कविता

रात दिन उंगलियों पर नचाते हो तुम
प्यार में इतना क्यूँ जुल्म ढाते हो तुम

साथ में जिन्दगी ले के आते हो तुम
मौत होती है जब उठ के जाते हो तुम

होती हैं कीमती मोतियाँ दस्तियाब
ऐ मेरे यार जब मुस्कुराते हो तुम

साफ कह दो कि मिलना नहीं चाहते
इस कदर क्यूँ बहाने बनाते हो तुम

आँखों से आँखें क्या मिल गईं दो घड़ी
दिल की गहराई में उतरे जाते हो तुम

कौन सी मुझ से आखिर खता हो गई
किस लिए मुझ को इतना सताते हो तुम

पहली पहली तवज्जो का मशकूर हूँ
वरना खातिर में कब मुझ को लाते हो तुम

इक अजब सी महक से है भरता दिमाग
मुझ को जब भी गले से लगाते हो तुम

जकी तारिक

सोशल मीडिया से लोकसभा चुनाव पर पड़ता प्रभाव

डॉ. अजय कुमार मिश्रा

समय व्यतीत होने के साथ-साथ तकनीकी ने सभी क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन किया है समाचार का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा` समाचार क्षेत्र में बढ़ती भीड़ और कॉर्पोरेट के दबदबे ने सभी को यह एहसास दिलाया है की तीन दशक पूर्व आधे घंटे का समाचार व्यक्ति को वो सभी जानकारी दे देता था जिसकी उन्हें आवश्यकता होती थी जबकि समाचार की इस भीड़ में 24 घंटे सभी को वो परोसा जा रहा है जिसे कुछ लोग बैठ कर निर्धारित करतें है और इन सब के पीछे का उद्देश्य आपको मानसिक रूप से नियंत्रित करना है` यह अब हम सभी ने आसान भी कर दिया है क्योंकि हम अब तर्क करना भूल गए है` हमें जो परोसा जाता है उसे ही हम सही मान लेतें है` ऐसे में सोशल मीडिया ने एक नई भूमिका अदा की है सही बात जब कही नहीं सुनी जाती तो सोशल मीडिया पर वायरल होतें ही उस पर त्वरित कार्यवाही करने को सरकार भी बाध्य हो रही है` यही नवचार और शक्ति है जो यह सोचने और समझने पर विवश कर रही है की क्या सोशल मीडिया लोकसभा चुनाव पर प्रभाव डालेगा ? कुछ युवाओं से व्यक्तिगत वातार्लाप करने पर उनका कहना था की यदि कांग्रेस सत्ता में वापसी करती है तो इसका सीधा श्रेय यूटूबर ध्रुव राठी को जायेगा ` क्योंकि इधर कुछ दिनों में ध्रुव राठी के विडियो न केवल तेजी से लोगों में प्रसिद्द हो रहें है बल्कि समाचार के मुख्य स्त्रोतों या यूँ कहें मीडिया घरानों द्वारा उद्देश्य पूरक समाचार न देने की कलई भी खोल दे रहें है` ध्रुव राठी अकेले ऐसे व्यक्तित्व नहीं है बल्कि रविश कुमार, पूण्य प्रसून बाजपेयी समेत अनेकों ऐसे लोग है जो तर्क और आकड़ों के साथ वास्तविक सच्चाई आम लोगों तक पहुंचा रहें है` इसके अतिरिक्त व्हाट्सएप्प, यूट्यूब, फेसबुक, एक्स पर अनेकों ऐसे व्यक्तित्व है जिनके द्वारा ऐसी सच्चाई सामने लगातार लायी जा रही है जो मुख्य मीडिया की प्रभावशाली धारा में दब कर खत्म हो जा रही थी` देश-विदेश की एक दो नहीं ऐसी अनेकों घटना, विवाद और सच्चाई रही है जिसे सोशल मीडिया ने आम जन तक पहुँचाया है और जानकारी वायरल होने के पश्चात सरकार को न चाहतें हुए भी उस पर एक्शन लेना पड़ा है वर्तमान में चल रहें लोकसभा चुनाव के कुल सात चरणों में से चार चरण का चुनाव पूरा हो गया है और पाचवें चरण का चुनाव 20 मई को है` अभी तक किये गए प्रचार-प्रसार को आप देखे तो राजनेताओं ने न केवल सभी हदे पार कर दी बल्कि यह सभी को एहसास करा दिया है की कुर्सी के लिए वो कितने निचे गिर सकते है` समाचार पत्र और चैनल्स स्वयं पार्टियों का प्रचार-प्रसार आम आदमी के हितों की अनदेखी करके कर रहे है` आम जनता की जमीनी समस्याएँ जस की तस कराह रही है जबकि सभी के अपने-अपने दावे है` रोजगार की मांग को सीधे अनसुना किया जाना` शिक्षा और स्वास्थ्य की लागत आम आदमी की पहुँच से दूर हो जाना, बढ़ती महंगाई और अमीरी-गरीबी की खाई समेत अनेकों बातें है जिसका संज्ञान चुनावी पार्टियों ने नहीं लिया है।

विचार

भीड़-तंत्र का न्याय एक बड़ी सामाजिक विफलता

संजीव

सामूहिक भीड़ का कोई मस्तिष्क नहीं होता। उसके द्वारा उन्माद में लिए गए सड़क पर त्वरित फैसले सामाजिक संरचना के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरते हैं और राजकीय संपत्ति के लिए कई बार भारी नुकसान दायक भी होते हैं। भे७९ीड तंत्र द्वारा किया गया न्याय राज्य की विफलता है। जो कार्य राज्य की कार्यपालिका तथा न्यायपालिका द्वारा गुण दोष के आधार पर किया जाना चाहिए, आज उसे भीड़ तंत्र द्वारा किया जा रहा है, यह सार्वभौमिक अवधारणा है कि भीड़ को राजनीति और सत्ता मिलकर पैदा करते हैं, और यही सामूहिक लोगों की भीड़ राज्य के नियंत्रण से मुक्त होकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आती है माब लीचिंग।

वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है,आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृत्ति सामने आने लगी है । और समाज व्यक्ति केंद्रित विकास की ओर अग्रसर हो कर समाज का एक बड़ा तबका विकास के पथ से बहुत पीछे छूट गया है। वस्तुतः एक तरफा वैश्वीकरण तथा साधनों के केंद्रीकरण के कारण गरीबी तथा बेरोजगारी खुलकर सामने आने लगी है। भारत के 10% लोगों के पास देश की 58% संपत्ति का स्वामित्व है। एवं देश की पूंजी का 70% भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है ।यही कारण है कि भारत में भी फ्रांस एवं रूस की क्रांति जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग-अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कुंठित हो रहे हैं।

और यही कुंठा बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय को ही जन्म देती है। किसी हत्यारे या बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुजुर्ग अथवा मर चुका होता है।

भीड़ तंत्र अस्थाई रूप से समान मूल्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शक्ल नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक क्षण पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण है जहां भीड़ ने अपने नेता को पद से हटाकर उसकी विनाश लीला ही रचा दी थी। फ्रांस का शासक रोबेस्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है।

और सिगमंड फ्रायड के अनुसार भीड़ में व्यक्ति अपने सारे मूल्य खोकर आदिम काल में पहुंच जाता है, और भीड़ में कोई धर्म नहीं रह जाता है। कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की लेटलतीफी के कारण भीड़ को कानून का भय लगभग समाप्त हो गया है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन कर किसी विशेष धर्म के लोगों को खानपान तथा व्यंजन के आधार पर कथित लोगों द्वारा किसी को भी निशाना बना कर उसकी हत्या कर दी जाती है, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। रही सही कसर सोशल मीडिया पूरा कर रहा है, फर्जी समाचार तथा राजनीतिक नियंत्रण के कारण सोशल मीडिया कई बार किसी विशेष वर्ग के द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जा रहा है। लोकतंत्र का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा चौथा स्तंभ मीडिया भी जन जागरूकता के प्रचार प्रसार के बजाय घटनाओं को धर्म तथा वर्ग के आधार पर विशेष वर्ग के हितों को प्रचारित प्रसारित करता है, जो इस आदिम कॉल की व्यवस्था को पुष्पित पल्लवित करता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग सामाजिक विकास न्याय के स्थान पर अन्याय प्रकृति की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

जश्न में 'फास्ट फूड' और सेहत की चिंता

विजय गर्ग

किसी का जन्मदिन हो, विवाह समारोह या फिर कोई भी मौका, आज देखते ही देखते हर तरह के जश्न में 'फास्ट फूड' की उपस्थिति अनिवार्य - सी हो गई है। हमारे समय का हलवा पूरी और पुदीने की चटनी अब चलन से बाहर हो चुके और एक 'पिछड़ी' हुई रुचि का खाद्य मान लिए गए हैं। अब कोई इनका जिक्र तक नहीं करना चाहता । पिज्जा और बर्गर की पहुंच तो कस्बे ही नहीं, गांव-गांव तक हो गई है। इसलिए अब पेस्ट्री और पास्ता के लिए गांवों में रहने वालों को शहर नहीं भागना पड़ता। पेशेवर तौर पर तैयार खाना घर पहुंचाने वाली कुछ कंपनियां तकनीक में ऐसी चाक-चौबंद और मुस्तैद हैं कि बहुत कम वक्त में अपनी छाप छोड़ चुकी है। यहां भी बच्चों का स्वाद बदलने के लिए आती ही जा रही है। भारत के चौबीस हजार से अधिक गांवों के नाम आज पांच फास्ट फूड पहुंचाने वाली कंपनियों के पास दर्ज हैं। आगे भी तैयारी चल रही है। गांव में कार्यक्रमों का आयोजन करके शायद बाकी गांवों में छा जाने का लक्ष्य है। माता-पिता का नाम, पास्ता और सैंडविच के प्रकार अब स्कूल जाते बहुत सारे पांच साल के बच्चे को भी याद होते हैं। करीब पांच साल के दूर बच्चे तो मंचूरियन को भी पहचान लेते है। आज भारतीय समाज मे बच्चों की स्वाद ग्रंथि पर इन मीठे और नमकीन फास्ट फूड ने जितना गहरा स्थान बना लिया है, उतना नवरत्न चटनी, घी आटे का हलवा, लड्डू, नारियल की खीर, पकौड़े, चटपटे आलू जैसे देसी व्यंजन नहीं बना सके।

ये पुरानी चीजें अब भुलाई जा रही हैं। तुरंता आहार या फास्ट फूड के कारोबार में हर दिन नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इनका आकार प्रकार, इस्तेमाल होने वाले रसायन, स्वाद, खुशबू, रंग, विविधता, खाने में सुविधाजनक होना फास्ट फूड की लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। यह बेवजह नहीं है कि पारंपरिक भोजन और भोजन शैली की जगह अब तेजी से सिकुड़ती जा रही है। लोगों के स्वाद बदल रहे हैं।

इसके प्रति ऐसा आकर्षण पैदा हुआ है कि कुछ लोग मानने लगे हैं कि यह दबी हुई भूख को जाग्रत कर देता है । पिज्जा या बर्गर का नाम लेते ही कुछ लोगों के मन में एक जायकेदार छवि बनने लगती है। एक लत की तरह की रुचि का अध्ययन करने की जरूरत है कि अगर ऐसा होता है तो क्यों होता है !

डंडे पर झंडे कैसे-कैसे

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

राजनीति के रंगमंच में झंडा महज लहराता नहीं है, बल्कि उसका नृत्य शेक्सपियर के त्रासदी नाटकों और दिन भर के धारावाहिकों की तरह नाटकीयता से भरा होता है। यह एक प्रतीक है जो व्यंग्य और विडंबना से लैस है, जिससे किसी भी राजनीतिक निंदक की आंतें गुदगुदी से भर उठती हैं। इस झंडे को महज एक कपड़े का टुकड़ा मानना भूल होगी, यह तो हर नेता की अलमारी में रखा एक सुपरहीरो का केप है। सुबह होते ही हमारे शूरवीर नेता इस केप को धारण कर लेते हैं, तैयार होते हैं ऊँची इमारतों को एक ही छलांग में पार करने के लिए—या कम से कम ऐसा वादा तो कर ही सकते हैं। यह राजनीतिक झंडा, अपनी जीवंतता और आकर्षण के साथ, भीड़ के ऊपर उठाया जाता है जैसे वादों का मशाल, जो अक्सर कैंडी की तरह मजबूत और स्थायी होते हैं। रंगों का क्या कहना! प्रत्येक रंग का चयन इत्तेफाक से नहीं बल्कि राजनीतिक सलाहकारों के अल्केमी से किया जाता है, जो बताते हैं कि नीला विश्वास का, लाल शक्ति का, और सफेद मासूमियत का प्रतीक है। लेकिन विडंबना देखिए, जब ये राजनीतिक धुलाईघर में मिलते हैं, तो अक्सर अस्पष्टता के धुंधले शेड्स में बदल जाते हैं। झंडा वीरतापूर्वक लहराता है, रंगों का एक भंवर, हर लहराहट मतदाताओं की ओर इशारा करती है, "मुझ पर विश्वास करो, मैं अपने कपड़े के रंग जितना स्थिर हूँ।" तारों, धारियों, या फैब्रिक पर अपना दावा जमाने वाले किसी भी प्रतीक को न भूलें। ये महज डिजाइन नहीं बल्कि शक्ति की पहेलियों को उकेरने वाले हायरोग्लिफ्स हैं।

तारे शायद नेताओं की आकाश-उच्च महत्वाकांक्षाओं का या राजनीतिक चुनौतियों के अंधेरे ब्रह्मांड को नेविगेट करने की क्षमता का अनुस्मारक होते हैं। धारियाँ? वे शायद उस बार को दशार्ती हैं जब नेता मुद्दों पर अपनी स्थिति बदल चुके होते हैं। वास्तव में, झंडे पर हर प्रतीक एक मिनी-राजनीतिक घोषणापत्र होता है, जिसे केवल उन्हीं लोगों द्वारा पढ़ा जा सकता है जिनके पास निराशा में डूबी व्यंग्य की अंगूठी हो। इन झंडों का प्लेसमेंट शतरंज के खेल में चालों की तरह रणनीतिक होता है।

न्यूज फ्लैश

फालोअप- नवीन ने अस्पताल से चुराये थे 5 इंजेक्शन, सुषमा ने दलबीर को लगाए थे 5-5 एमएल के 2 इंजेक्शन

गन्नौर । सहायक पंप आपरेटर दलबीर की मौत के मामले में गिरफ्तार आरोपित नवीन व सुषमा का वीरवार को रिमांड समाप्त हो गया। रिमांड अवधि के दौरान पुलिस ने आरोपितों से मोटरसाइकिल व इंजेक्शन बरामद कर लिए हैं। रिमांड समाप्त होने के बाद आरोपितों को अदालत में पेश कर आदेशानुसार जेल भेज दिया है। गन्नौर थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि रिमांड के दौरान आरोपित नवीन ने बताया कि उसने अस्पताल से 5-5 एमएल के 5 एटरा क्यूरियम के इंजेक्शन चुराये थे। सुषमा ने नवीन के पिता को 5-5 एमएल के 2 इंजेक्शन लगाए थे। इंजेक्शन की ओवरडोज होने से उनकी मौत हुई थी। जबकि नवीन के भाई परमिंदर ने इंजेक्शन लगवाने से मना कर दिया तो सुषमा बाकी बचे इंजेक्शनों के साथ-साथ दोनों खाली शीशियों को भी अपने साथ ले गई। नवीन उसे बाइक पर बैठा कर उदेशीपुर छोड़ कर आया था। जहां सुषमा ने इंजेक्शन की खाली शीशियों व सिरिंज खेतों में फैंक दी। बाकी बचे तीन इंजेक्शन उसने सोनीपत में गंदे नाले के पास फैंक दिए थे। पुलिस ने सुषमा की निशानदेही पर उदेशीपुर के खेत से खाली शीशियों व सिरिंज और सोनीपत गंदे नाले के पास से तीन भरे हुए इंजेक्शन बरामद कर लिए हैं। इसके अलावा पुलिस ने नवीन की मोटरसाइकिल को भी बरामद कर लिया है। दोनों आरोपितों को अदालत के आदेशनुसार जेल भेज दिया गया है।

चोरी के शक में युवक की हत्या करने वाले पांच आरोपी काबू

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। नई अनाज मंडी में चोरी के शक में पीट-पीटकर एक युवक की हत्या करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। थाना शहर पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दीपक पुत्र जगदीश वासी चांद सराय जुण्डला गेट करनाल, नरेश पुत्र जगन वासी गांव हथलाना थाना निसिंग, मनीश पुत्र अनिल कुमार वासी कुटेल थाना घरौंडा, जगदीश पुत्र बुधराम वासी तरावड़ी और पंकज पुत्र देशराज वासी लालुपुरा थाना घरौंडा के नाम शामिल हैं। थाना शहर प्रबंधक उप निरीक्षक सुल्तान सिंह ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि 15 मई को मृतक कर्ण के साथ उसका दोस्त पवन भी घर से आया था। जब पवन की तलाश कर उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ नई अनाज मंडी में गेहूं की बोरियों के पास बैठा था, तभी मंडी चौकीदार व कुछ अन्य वहां आए और उन्हें पकडकर पीटने लगे।

दो बच्चों की मां संदिग्ध परिस्थितियों में हुई लापता

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। आनंद विहार क्षेत्र से एक महिला अपने दो बच्चों के साथ संदिग्ध हालातों में लापता हो गई। परिजनों ने एक व्यक्ति पर महिला को अपने साथ भगा ले जाने का आरोप लगाया है। आरोपी ने फोन पर भी धमकी दी थी कि वह महिला को अपने साथ भगा ले जाएगा। परिजनों ने अपने लेवल पर काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। लापता महिला की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसकी बेटी की उम्र 25 वर्ष है, जिसके पास दो बच्चे हैं। इनमें एक आठ साल का लडका है और उससे छोटी एक लडकी है। आज उसकी बेटी अचानक बच्चों को लेकर लापता हो गई। शिकायतकर्ता ने बताया है कि उसके पास 14 मई को एक कॉल आया था, जिसमें कॉलर ने कहा था कि वह मेरी बेटी को अपने साथ भगा ले जाएगा और धमकी भी दी थी कि तुमसे जो होता हो, कर लेना।

स्टेज पर नेताओं की नो एंट्री, बैठेंगे 36 बिरादरी के योद्धा: जयहिंद

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत/कमाल हुसैन

जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद शुक्रवार को पानीपत वासियों को जन्मोत्सव का चूल्हा न्यौत देने पहुँचे । इस मौके पर जयहिंद ने पानीपत की संजय कॉलोनी में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के असवर पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर कहा कि आगामी 19 मई को पहरावर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जायेगा और यहाँ पहुचें सभी भक्तों का चूल्हा न्योता है परिवार सहित 19 को पहरावर जरुर पहुंचे` देश में अयोध्या में श्री राम की सबसे बड़ी मूर्ति

लगाई गई हैं और पहरावर में 121 फीट भगवान परशुराम मंदिर मूर्ति निर्माण की नींव रखी जाएगी` भगवान परशुराम की मूर्ति न्याय, मान-सम्मान और स्वाभिमान की प्रतिक होगी सामाजिक योद्धाओं (36 बिरादरी) को जिन्होंने पहरावर की जमींन के लिए संघर्ष किया और समाज के हक की आवाज उठाते है उन्हे भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सम्मानित किया जायेगा जयहिंद ने कहा 36 बिरादरी में अगर किसी के साथ भी अन्याय हो रहा हो तो उन्हे आवाज उठानी चाहिए और हमेशा दूसरों की भलाई के लिए तैयार रहना चाहिए । गरीब कमजोर की लड़ाई लड़ने वाला ही परशुराम का असली चेला होता है और जो आवाज नहीं उठा सकते वह किसी भी भगवान के भक्त नहीं हो सकते । जयहिंद ने साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम पूरी तरह से गैर - राजनीतिक और सामाजिक रहेगा` किसी भी तरह से राजनीतिक बयानबाजी इस कार्यक्रम नहीं होगी` साथ ही स्टेज पर नेताओं को नहीं 36 बिरादरी के उन योद्धाओं को स्थान और सम्मान मिलेगा जिन्होंने समाज के हक की लड़ाई के लिए फरसा उठाया` उस लड़ाई में तन -मन धन से साथ दिया` भ्रष्ट , बेईमान और झूठे लोग इस कार्यक्रम में न आये जयहिंद ने कहा कि इस मौके पर देशी घी का भंडारा किया जायेगा और 36 बिरदारी के लोग प्रसाद ग्रहण करने पहुंचेगे` प्रदेश ही नहीं बल्कि दुसरे राज्यों से भी परशुराम भक्त इस जन्मोत्सव में हिस्सा लेने पहुंचेंगे साथ ही जयहिंद ने कहा कि जन्मोत्सव में लोग अपनी शासन और प्रशासन से जुड़ी समस्याओं लेकर आयेंगे। समाधान के लड़ाई वे लड़ेंगे। देवी -देवताओं के आशीर्वाद से लोगों की आवाज उठाने का काम कर रहे है।

मोहनलाल के समर्थन में कविता- राजीव जैन ने किया रोड शो

सोनीपत।
पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार तथा वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन ने भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बड़ोली के समर्थन में मिशन चौक से लेकर कालूपुर चुंगी तक जबरदस्त रोड शो के माध्यम से दुकानदारों से वोट की अपील की। पूर्व मंत्री अनिल ठकर भी साथ रहे। मिशन चौक से ढोल नगाड़ों के साथ जैसे ही रोड शो शुरू हुआ दुकानदारों ने फूल बरसाकर और मालाएं पहनाकर स्वागत किया। पूरे रास्ते दुकानदारों ने स्थान - स्थान पर समूह के रूप में इकट्ठे होकर समर्थन दिया। कविता जैन ने कहा की हम व्यापारियों के सुख-दुःख में हमेशा साथ खड़े रहे हैं, इसलिए एक-एक वोट भाजपा के प्रत्याशी को देकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधान मंत्री बनायें। राजीव जैन ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थवयवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए व्यापार को सुगम बनाने, उनकी सामाजिक सुरक्षा की चिंता अटल पेंशन योजना के माध्यम से करने का काम भाजपा सरकार ने किया है।

पाइट एनसीआर कॉलेज के 18 छात्र-छात्राओं को जॉब मिली

टीम एक्शन इंडिया
समालखा (कुलदीप सिंह)

पाइट एनसीआर कॉलेज के 18 छात्र-छात्राओं की विभिन्न कंपनियों में नियुक्ति हो गई। कॉलेज में छात्रों ने जश्न मनाया। कॉलेज मैनेजमेंट ने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना भी की। सचिव सुरेश तायल व वाइस चेयरमैन राकेश तायल ने बताया कि टाटा, वेव टैक?स, रिवेरा, एंब्रेन इंडिया, एकेडमोर, साहिब इंटरनेशनल में छात्र-छात्राओं की प्लेसमेंट हुई है। छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए कॉलेज में समय-समय पर इंडस्ट्री आधारित ट्रेनिंग कराई जाती है। छात्रों को इंडस्ट्री ट्रेनिंग के लिए भेजा जाता है। इससे पढ़ाई करते हुए ही स्टूडेंट्स की समझ विकसित हो जाती है। कंपनी में तुरंत जॉब मिल जाती है। छात्रों का कॉलेज में स्वागत किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल, प्रिंसिपल डॉ.दीपक राज, डॉ.श्वेता सरोहा, पारुल मिश्रा, डॉ.मीनाक्षी, प्लेसमेंट कोर्डिनेटर सौरभव मौजूद रहे।

बीपीआर कॉलेज में हुआ मतदाता जागरूकता अभियान

टीम एक्शन इंडिया
दलबीर मलिक

कुरुक्षेत्र : भगवान परशु राम कॉलेज कुरूक्षेत्र में मेरा पहला वोट, देश के लिए मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि डॉ. वैशाली शर्मा, आईएएस, अतिरिक्त उपायुक्त एवं प्रशासक भगवान परशुराम कॉलेज कुरूक्षेत्र रहीं। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य प्रो. शीश पाल ने बताया कि हमारे महाविद्यालय के नोडल अधिकारी चुनाव, स?पोर्टस, एनएसएस, एनसीसी और समाज कार्य के विद्यार्थियों ने न केवल आसपास के शहरी क्षेत्र अपितु आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया है। उन?होंने कहा कि आज इस कार्यक्रम में अतिरिक?त उपायुक?त डॉ. वैशाली

शर्मा मुख्यातिथि के रूप में आई है यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। इसअवसर पर बोलते हुए डॉ. वैशाली शर्मा ने उपस्थित विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हम सबकी भागीदारी ही लोकतंत्र को मजबूत करती है। हमें ना केवल स्वयं मतदान करना है बल्कि परिवार और आसपास के सभी मतदाताओं को भी जागरूक करना है। उन्होंने कॉलेज प्राचार्य को भी बधाई दी कि यह महाविद्यालय प्रशासन के साथ हर गतिविधि में उत्साह के साथ भागीदारी सुनिश्चित करता है। उन्होंने कैसल मॉल में हुए मतदाता जागरूकता अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कार्यक्रम बड़ा ही सराहनीय रहा । कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रो. कर्मजीत सिंह ने किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी चुनाव डॉ. सुभाष शर्मा, एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. नीरज वशिष्ठ, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुरेश पाराशर, डॉ. नंद किशोर, डॉ. सौरभ त्रिखा, डॉ. सतीश कुमार, एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. सुषमा शर्मा, डॉ. रमा शर्मा, डॉ. प्रवीण शर्मा एवं युवा शिक्षक तथा भारी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने दिया भाजपा को समर्थन

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत/कमाल हुसैन

पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने आज अम्बाला में कार्यकताओं के साथ बैठक कर भाजपा को समर्थन का ऐलान करते हुए हरियाणा की सियासत में हलचल मचा दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने पीएम मोदी की नीतियों में आस?था जताते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हैं। उन?होंने कहा कि देशभर में चलाई जा रही उनकी जनकल?याणकारी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिल रहा है। पीएम मोदी की अंतोदय की विचारधारा के कारण ही आज देश के हर वर्ग के लोगों को फायदा पहुंच रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने बताया कि बैठक में यह फैसला हुआ है कि लोकसभा चुनाव में

पीएम मोदी के नेतृत्व में 10 साल के कार्यकाल को देखते हुए उनके दूरदर्शी फैसले जो किये पीएम मोदी ने देशहित मे किये है उसी को देखते हुए आने वाले 5 साल देश के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है इसलिए आज पार्टी कार्यकताओं के साथ बात कर यह फैसला किया है कि हरियाणा जनचेतना पार्टी प्रदेश की सभी लोकसभा सीट्स पर भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करेगी उनका प्रचार प्रसार करेगी। इससे पहले 2014 और 2019 में भी हरियाणा जनचेतना पार्टी की ओर से पीएम मोदी की नीतियों पर समर्थन किया था उन्होंने कहा कि हरियाणा जनचेतना पार्टी का हर कार्यकर्ता अम्बाला लोकसभा की भाजपा प्रत्याशी बन्तो कटारिया के लिए गांव शहर हर जगह उनके लिए प्रचार करेंगे ताकि उनकी जीत सुश्चित हो और अम्बाला में होने वाली पीएम की रैली के लिए भी बढ़चढ़कर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सशक्त सरकार अगले 5 साल के लिए बन सके उसके लिए जनचेतना पार्टी हरियाणा के तमाम कार्यकर्ता घर घर जाकर, गांव, शहर, गली और कस्बो में पीएम की नीतियों का प्रचार प्रसार करेंगे। विनोद शर्मा ने कहा कि हमे पूरा यकीन की 10 की 10 सीट पर भाजपा जीत हासिल करेगी। भाजपा व्यक्ति नही पार्टी है देश मे एक ही पार्टी है भाजपा। हम पीएम की नीतियों में विश्वास रखते हैं जो उनकी सोच है उसको हमारा समर्थन है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा का जो भी समाज समर्थन कर रहा है वह पार्टी के काम को देख कर रहे हैं। मैं जातिगत राजनीति में विश्वास नही रखता समाज के प्रति मेरी आस्था राजनीति से प्रेरित नही है वह मेरा गौरव है। जो नेता या पार्टी जाति की राजनीति करते है उनसे नुकसान ही होता है। 2016 में आप सभी ने देखा जो हुआ उसका उस दल को उन नेताओं को नुकसान ही हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 10 वर्षों का कार्यकाल सभी ने देखा है।

अब वक्त आ गया है कि अगले पांच वर्षों के लिए हम पीएम मोदी को विजयी बनाएं ताकि देश में और अधिक तरक्की हो सके।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के छात्रों ने इंडोर गेम्स प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

समालखा (कुलदीप सिंह)

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, पानीपत में तीन दिवसीय इंडोर गेम्स प्रतियोगिताओं का आयोजन-दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, पानीपत में तीन दिवसीय इंडोर गेम्स प्रतियोगिताएँ लूडो, कैरम बोर्ड व स्केटिंग आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल की डायरेक्टर व प्रिंसिपल डॉ सपना गुप्ता व स्कूल के खेल विभाग के कोचों के द्वारा किया गया। जिसमें प्री-नर्सरी से पाँचवीं के छात्रगण ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इससे पहले उद्घाटन कार्यक्रम में स्कूल की डायरेक्टर व प्रिंसिपल डॉक्टर सपना गुप्ता ने छात्रगण को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक तो होते ही हैं। साथ वे आपसी सहयोग और नेतृत्त्व की भावना का भी विकास करते हैं। उन्होंने लगातार छात्रों को प्रोत्साहित किया और सभी प्रतियोगियों की खेल-भावना की सराहना की। समापन समारोह में उन्होंने सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए और आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने में स्कूल अनुभवी शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के सहयोग को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन रमेश रेवड़ी ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कठिन परिश्रम को सफलता का मूल मंत्र बताया।

6 बच्चों ने प्रतिदिन विद्यालय आते जाते उतारे 50 खंडित तिरंगे

सोनीपत
माँ भारती रक्तवाहिनी की मुहिम तिरंगा सम्मान संकल्प के तहत माँ दुर्गा शिक्षा सदन दुर्गा कालोनी बढ़मलिक राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति विद्यार्थियों को निरन्तर जागरूक करते हुए अनेको राष्ट्रीय ध्वजों को उतरवा चुका है । संस्था के अध्यक्ष व इस स्कूल के संचालक विपिन कुमार गौड़ ने बताया कि ये 50 खंडित तिरंगे शिशपाल ,अमित, हिमांशु, विकास ,विशाल व अचल इन बच्चों ने प्रतिदिन विद्यालय आते जाते व अपने रोजमर्रा के काम करते हुए उतारे । प्रधानाचार्य ने बताया कि हम पिछले 32 वर्षों से बच्चों को नैतिक मूल्यों तथा समाज को जागरूक करने निरंतर कर रहे हैं और करते रहेंगे

ये ही बच्चे आगे चलकर एक सभ्य व जागरूक नागरिक का कर्तव्य निभाएंगे

दस खंडित तिरंगे तो बच्चों ने यहां से अपने गांव रेलयात्रा के दौरान उतारे और सैंकड़ों यात्रियों और अपने यूपी बिहार के ग्रामीणों को राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान से के बारे में जानकारी दी । उन्होंने बताया कि अब तक इस मुहिम के तहत तिरँगा विरो ने 8200 से ज्यादा खण्डित ध्वजों को उतारा है । बच्चों ने बताया कि तिरँगा जब भी मैला हो जाये फट जाए उसे तुरंत सम्मान सहित उतार कर सबंधित जिले के नगर निगम कार्यालय में जमा करवाये । बहुत से बड़ों ने बच्चों के इस कार्य की सराहना की और स्वयं भी राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान का संकल्प लिया ।

कथाओं की सार्थकता तभी, जब जीवन में हों आत्मसात: द्विवेदी

टीम एक्शन इंडिया
दलबीर मलिक

कुरुक्षेत्र : शिवशक्ति जनकल्याण सेवा समिति, बिशनगढ़ द्वारा झांसा रोड स्थित गांव बिशनगढ़ में शुक्रवार को जनकल्याणार्थ 11 कुंडीय शिवशक्ति महायज्ञ अनुष्ठान के दूसरे दिन बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने आहुतियां देकर यज्ञशाला परिक्रमा की। जानकारी देते हुए आयोजन समिति अध्यक्ष पंडित राजेश मौदगिल, मुख्य यजमान सुरेश सैनी और नरेश सैनी ने बताया कि यह अनुष्ठान राज राजेश्वरी भगवती मां त्रिपुर

सुंदरी के आशीर्वाद से गांव बिशनगढ़ के शिव मंदिर के समीप चौपाल के सामने 23 मई तक त्रिपुरा पीठाधीश्वर यज्ञ सम्राट हरिओम महाराज के पावन सान्निध्य में किया जा रहा है। आज सुबह यज्ञ के मुख्य यजमानों ने देव पूजन में हिस्सा लिया। स्वामी हरिओम जी महाराज ने यज्ञ की महिमा बताते हुए कहा कि यज्ञ से पुत्र-पौत्रादि की प्राप्ति होती है। यज्ञ से ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष मिलते हैं और यज्ञ से ही पर्यावरण की रक्षा व जलवायु शुद्ध होती है। भारतीय जनमानस में यज्ञ की प्रधानता कही गई है। इसलिए जहां कहीं भी यज्ञ अनुष्ठान का आयोजन हो वहां अवश्य जाना चाहिए। वहीं, यज्ञ के बाद श्रीमदभागवत कथा में आचार्य शुभम द्विवेदी (चित्रकूट) ने भागवत महिमा विस्तार से सुनाई।

निष्पक्ष चुनाव संपन्न करवाने में माइक्रो ऑब्जर्वर की अहम भूमिका: विवेक

टीम एक्शन इंडिया
राजकुमार प्रिंस

करनाल। लोकसभा आम चुनाव 2024 व करनाल विधानसभा उपचुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिए सामान्य ऑब्जर्वर ई. रविन्द्रन की उपस्थिति में चुनावी प्रक्रिया के लिए नियुक्त किए गए माइक्रो ऑब्जर्वर को डा. मंगल सेन सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर जिला परिषद सीईओ विवेक चौधरी ने ईवीएम व वीवीपैट की हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी। इस अवसर पर एलडीएम सुशील हांडूजा भी मौजूद रहे। सामान्य ऑब्जर्वर ई. रविन्द्रन ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव संपन्न करवाने में माइक्रो ऑब्जर्वर

की अहम भूमिका होती है। ऐसे में आप सभी को 25 मई को मतदान केंद्र पर निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय पर पहुंच जाना है और मॉक पोल सहित मतदान की पूरी प्रक्रिया का सूक्ष्म अवलोकन करना है। मॉक पोल से लेकर वास्तविक मतदान प्रारंभ होने के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के कंट्रोल यूनिट की सीलिंग पर भी नजर रखनी है। उन्होंने कहा कि सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को पोलिंग एजेंट पर भी नजर रखनी है कि मॉक पोल के दौरान वह उपस्थित हुए या नहीं। इसके साथ ही प्रत्येक घंटे में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और मतदाता रजिस्टर से आंकड़े का मिलान करते रहेंगे, ताकि मतदान की स्थिति स्पष्ट होती रहे। दोपहर तीन से पांच बजे तक कतार में कितने मतदाता उपस्थित थे इसकी भी रिपोर्ट देनी है। इसके बाद अंतिम समय में कितने मतदाता ऐसे उपस्थित थे, जिनको पीठासीन पदाधिकारी के द्वारा टोकन दिया गया। कुल मतदान की संख्या और उसका प्रतिशत भी दर्ज करेंगे।

प्रशिक्षण में विवेक चौधरी ने कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर मतदान प्रक्रिया के दौरान बरती जाने वाली गोपनीयता पर विशेष नजर बनाए रखें। माइक्रो आब्जर्वर को मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया तथा उनके कार्य एवं दायित्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि माइक्रो ऑब्जर्वर मतदान केंद्र में हो रही हर गतिविधियों की समय-समय पर जिला मुख्यालय को रिपोर्ट भेजते रहें। उन्होंने कहा कि सभी माइक्रो ऑब्जर्वर मतदान प्रक्रिया के दौरान बरती जाने वाली गोपनीयता पर भी विशेष नजर रखें। मतदान संपन्न होने पर ईवीएम और अन्य रिकॉर्ड की उचित सीलिंग की भी जांच करना सुनिश्चित बनाएंगे। यदि माइक्रो ऑब्जर्वर को मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका होने पर इसकी सूचना तुरंत जनरल ऑब्जर्वर को दें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में माइक्रो ऑब्जर्वर को फार्म 12 और 12-ए के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर माइक्रो ऑब्जर्वर की विभिन्न शंकाओं को भी दूर किया गया।

लोगों से संपर्क कर मनोहर लाल को वोट देने का अनुरोध किया

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत/कमाल हुसैन

भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने होटल मिड टाऊन के पीछे पानीपत विधानसभा क्षेत्र के बूथ नो 123 से घर घर संपर्क अभियान के तहत लोगों से संपर्क कर 25 मई को प्रत्यासी मनोहरलाल को वोट देने का अनुरोध किया। दुष्यंत भट्ट ने कहा की यह हमारा सौभाग्य है कि करनाल लोकसभा क्षेत्र से संत स्वभाव के धनी पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल को प्रत्याशी बनाया गया है।उन्होंने कहा की मनोहरलाल भारतीय राजनीति के कोहिनूर हीरा के समान है।उन्होंने जिस प्रकार अपने साढ़े 9 साल के

शासन में जिस प्रकार हरियाणा में ईमानदारी और सुशासन का प्रकाश फलाया है,
उसी प्रकार वे केंद्र में जाकर भी सुशासन का मनोहर प्रकाश फैलाएंगे और केंद्र सरकार से ओर अधिक ग्रांट लाकर हरियाणा को एक विकसित प्रदेश बनाने का काम करेंगे।
इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र 4 ने अपने 19 साल के शासन में बीटेक और प्रशिक्षण सीटो की संख्या को बढ़ाकर दुगना कर दिया है।

दूध-दही-बादाम बनाएगा आपको जवान

आप जवान तभी रह सकते हैं जब आपके अंदर ताकत हो और ताकत और कसी और दमकती त्वचा दोनों का मेल होने के बाद ही इंसान जवान बना रह सकता है। ज्यादा ऑइली और तली हुई चीजें फास्ट फूड और तो और कोला जैसे पेय पदार्थ आपकी स्किन के लिए सबसे हानिकार होते हैं। यह आपको फैटी बनाती हैं और स्किन को ऑइली व डूलडूल बना देती है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि कोई भी व्यक्ति हमेशा जवान नहीं रह सकता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है चेहरे की रौनक और चमक चली जाती है और झुर्रियां आदि पड़ने लगती हैं। कई महिलाएं और पुरु ष हमेशा यंग दिखने की फिराक में रहते हैं और इसके लिए वह कोई न कोई क्रीम आदि लगाते ही रहते हैं। जिससे की उनकी त्वचा पर और अधिक बुरा प्रभाव पड़ता है। कॉस्मेटिक आदि का इस्तेमाल त्वचा को बाहर से अच्छा बना देता है लेकिन उनमें अंदरूनी क्षमता नहीं रह जाती है। अगर आप अपनी त्वचा को अंदर से चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी फूडिंग हैबिट और लाइफ स्टाइल पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही खुराक में कुछ विशेष सब्जियों, फल व फूड मैटर को शामिल करना होगा। आपको अपनी त्वचा को बेहतर फूड देने होंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा।

ज्यादा ऑइली और फास्ट फूड आपकी स्किन को खराब करते हैं

अपनी त्वचा को अंदर से चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी फूडिंग हैबिट और लाइफ स्टाइल पर विशेष ध्यान देना होगा

आपको अपनी त्वचा के लिए बेहतर फूड खाने होंगे और अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा

दूध-दही में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। जो आपको जवान रखने में मदद करते हैं

जवान बने रहने व चेहरा निखारने का नुस्खा

पालक : पालक में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है साथ ही पौटेशियम और विटामिन की भरमार होती है। इसमें काफी ज्यादा मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो शरीर की रक्षा करता है। इसके सेवन से ऊतकों और कोशिकाओं को ताकत मिलती है और वह स्वस्थ रहती हैं। खून को भी साफ रखने और मात्रा बढ़ाने में पालक कारगर होती है।

बींस: बींस में प्रोटीन और फाइबर होता है जिसमें कम कार्बोहाईड्रेट होने के कारण वसा नहीं होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। यह एंटी-एजिंग सब्जी होती है।

हल्दी : हल्दी सबसे अच्छा एंटी-एजिंग एजेंट होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेंट्री गुण होते हैं जो पाचन क्रिया को अच्छा रखते हैं और उम्र को थाम देते हैं।

बादाम: बादाम में विटामिन ''ई' होता है जो त्वचा और बालों के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें मैग्नीशियम भी होता है जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को धीमा कर देता है।

अखरोट : अखरोट में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है जो आपकी स्किन के लिए जरूरी है।

दूध-दही : दूध-दही में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा काफी अधिक होती है। जो आपको जवान रखने में मदद करते हैं।

अब 6 महीनों में हेपेटाइटिस 'सी' का इलाज

यकृत से जुड़ी जानलेवा बीमारी हेपेटाइटिस ''सी' से ग्रसित मरीजों को एंटी वायरल इलाज के जरिए छह सप्ताह की अल्प अवधि में ही ठीक किया जा सकता है। यूरोपीय देश स्पेन के बार्सिलोना शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय यकृत सम्मेलन के दौरान शोधकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत अध्ययन में बताया गया कि सोफोसबुवीर और लेडिपासवीर के जरिए केवल छह महीनों में हेपेटाइटिस ''सी' से पीड़ित लोगों का इलाज किया जा सकता है। लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर का कारण बनने वाले हेपेटाइटिस ''सी' का इलाज इसके जरिए किया जा सकता है। 95 फीसदी मामलों में समय रहते इसके इस्तेमाल से हेपेटाइटिस ''सी' के इलाज में काफी फायदा मिला है। इन गोलियों के इस्तेमाल से हेपेटाइटिस ''सी' के शरीर पर दुष्प्रभाव तो कम होंगे ही इलाज की अवधि भी काफी कम हो जाएगी।यह हेपेटाइटिस ''सी' से प्रभावित लोगों का इसके अचानक शिकार हुए लोगों की तुलना में आम तौर पर दस से पन्द्रह फीसदी जल्दी ठीक करता है। विश्व भर में हेपेटाइटिस ''सी' के रोगियों की संख्या तेरह से पन्द्रह करोड़ के बीच है। प्रतिरोध से जुड़े विसंगति के अचानक उभरने के कारण हेपेटाइटिस ''सी' के मरीजों का इलाज अभी भी चुनौती बनी हुई है।इस शोध के अनुसार सोफोसबुवीर और लेडिपासवीर का संयोजन न केवल सुरक्षित है बल्कि हेपेटाइटिस के मरीजों के लिए यह सहनीय और प्रभावकारी भी है लेकिन अल्प अवधि के इलाज के दौरान इसके प्रभाव में यह नहीं दिखता है।

95 फीसदी मामलों में समय रहते इसके इस्तेमाल से हेपेटाइटिस 'सी' के इलाज में काफी फायदा मिला है

अत्यधिक नमक लिवर खराब करता है

पेइचिंग। भोजन में अत्यधिक नमक प्रयोग करने से केवल रक्तचाप बढ़ने की ही समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि इससे वयस्कों और विकसित भ्रूण का यकृत भी खराब हो सकता है। एक नए अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है।अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि हमारे शरीर को बहुत कम मात्रा में नमक की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सरकार सलाह देती है कि यदि आप एक स्वस्थ व्यस्क हैं तो आपको प्रति दिन एक छोटा चम्मच नमक लेने की आवश्यकता है। कुछ अनुसंधानकर्ताओं ने संकेत दिया है कि सोडियम के आवश्यकता से अधिक प्रयोग से उच्च रक्तचाप की समस्या के अलावा यकृत भी खराब हो सकता है। चीन की ''जिनान यूनीवर्सिटी' के शुएसोंग यांग और उनके सहकर्मी सोडियम के कोशकीय स्तर पर संभावित प्रभाव के बारे में पता करना चाहते थे।अनुसंधानकर्ताओं ने एक वयस्क चूहे को अत्यधिक नमकयुक्त आहार दिया और चूहों के भ्रूणों को एक खारे पर्यावरण में रखा। अत्यधिक सोडियम से अजीब आकार की कोशिकाएं विकसित होने, कोशिका समाप्ति में वृद्धि और कोशिका प्रसार में कमी समेत जीवों के यकृत में कई तरह के बदलाव हुए। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि खराब कोशिकाओं का विटामिन ''सी' के माध्यम से उपचार करके अत्यधिक नमक के कारण हुए दुष्प्रभाव को आंशिक रूप से कम किया जा सकता है। यह अध्ययन ''जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' में प्रकाशित किया गया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

लॉफिंग ज़ोन

संपादक (प्रबंधक से) - अखबार में थोड़ी सी जगह बची है क्या लिखूं?

प्रबंधक - लिख दो, कल चांदनी चौक में डाका पडा, खून हो गया.

संपादक - थोड़ी सी जगह और है.

प्रबंधक - वहां लिख दो - बाद में पता चला यह सब अफवाह थी.

☺ ☺ ☺

वकील (मुजरिम से) - तुमने एक ही दुकान में दोबारा चोरी क्यों की?

मुजरिम - साहब जी, उस दुकान के बाहर लिखा था दोबारा जरूर आएं.

☺ ☺ ☺

मुकेश (ड्राइवर से) - यह टायर पंचर कैसे हुआ?

ड्राइवर - एक कांच की बोतल पर चढ़ गया था.

मुकेश - क्या तुम्हें बोतल दिखाई नहीं दी?

ड्राइवर - जी नहीं, बोतल उस आदमी की जेब में रखी थी जो गाड़ी के नीचे आ गया था!

☺ ☺ ☺

रमेश (नौकर से) - जरा देखना तो कितने बजे हैं?

नौकर - मुझे समय देखना नहीं आता.

रमेश - अच्छा कोई बात नहीं, यह देखकर बताओ कि बडी सुई कहां है और छोटी सुई कहां है?

नौकर - दोनों सुइयां घड़ी में हैं.

काकुरो पहेली - 4057

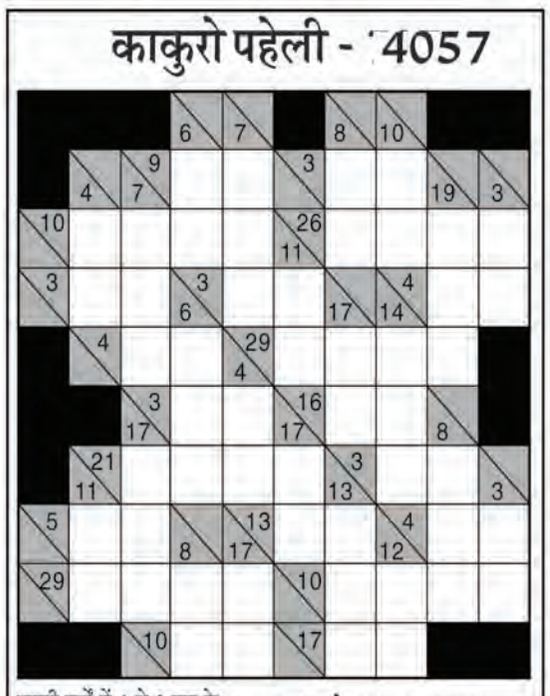

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

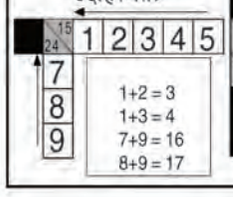

काकुरो -4056का हल

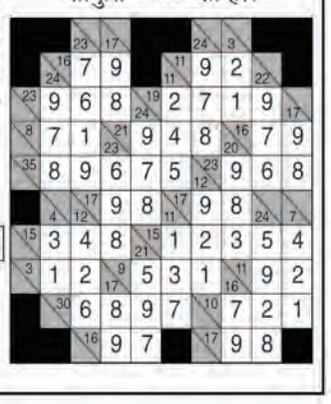

फिल्म वर्ग पहेली- 4057

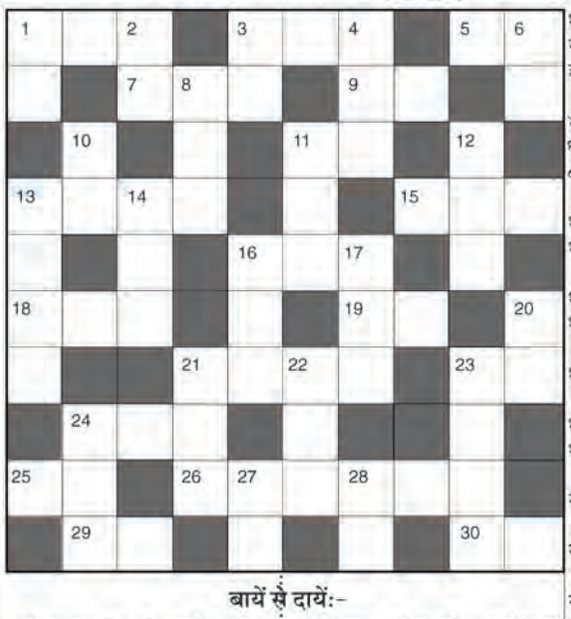

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू द्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4056

खा	मो	शी		आ	प	की	क	स	म
की		शा	दी		ड़ो		भी		स्त
	आ		वा	प	स		ना		
प	ह	चा	न		न	या	क	द	म
रा			गी	ता			भी		ड
या	रा	ना		ज	मा	ना		स	र
ध		य	ति	म			रा	नी	
न	म	क		ह	म	रा	ज		फ
	यां			ल		जे			रा
अ	दा	ल	त		इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु -4057

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4056 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 4057

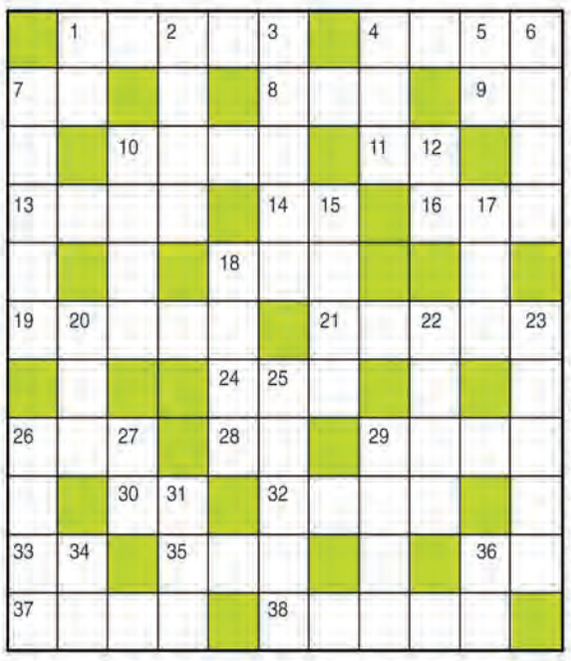

बाएँ से दाएँ

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा,रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी,कमला-2
13. ध्वनिहीनता,शांति-4
14. देवता,देव-2
16. प्रणाम,नमस्कार-3
18. रुधिरहीन,कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला,ईश्वर-5
24. प्रेम,चाहना-3
26. वन,अरण्य,जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल,मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा,सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह,प्रातःकाल-2
37. जोकर,विदूषक-4
38. संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता,बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर,निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट,खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म,दुष्कर्म-4
20. गाड़ी,यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार,व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा,आनंद-2
36. भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली 4056 का हल

अ	स	ह	नी	य			क	लि	का	
प	र		ला		सा	ग	र		बु	आ
ह			प	ह	र		ण			खे
र	स	खा	न			म		क	प	ट
ण		लि		न	भ	च	र		र	
	आ	स		सी		ल		ग	स्त	
	रा		प	ह	न	ना		रु		ड
शा	म	त		त			ना	र	ता	र
य			तै		जा	हि	र			ल
द	म		र	सी	ला		पी		ज	ग
	न	गी	ना			म	न	भ	र	ना

नेशनल एरोबिक्स चैम्पियनशिप के लिए जिले के 45 खिलाड़ियों का चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। एरोबिक्स एंड फिटनेस एसोसिएशन मुरादाबाद द्वारा नेशनल एरोबिक्स चैंपियनशिप के लिए गुरुवार को गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल टीडीआई सिटी मुरादाबाद में ट्रायल सम्पन्न हुआ। जिसमें विभिन्न स्कूल के खिलाड़ियों का चयन हुआ। ट्रायल के बाद गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल, सीएनएस एकेडमी, क्रिप्टोन पब्लिक स्कूल, आरएसडी एकेडमी और सेंट मैरी सीनियर सेकेंड्री स्कूल सिविल लाइन से 45 खिलाड़ियों का चयन हुआ। एरोबिक्स एंड फिटनेस एसोसिएशन मुरादाबाद की सचिव रिम्पी सिंह ने बताया कि आज चयनित खिलाड़ी 24 मई से 26 मई तक आगरा के जान मिल्टन पब्लिक स्कूल में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय एरोबिक्स चैम्पियनशिप में प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर सभी सेलेक्ट प्लेयर्स को गोल्डन गेट ग्लोबल पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल सचिन धावरी, वाइस प्रिंसिपल गरिमा भटनागर, अमित भंडारी, पारुल घटक, अनु गौतम, ऋद्धा भाटिया, मयंक कश्यप, विजेंद्र आदि ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

हापोएल जेरूसलम ने आठवीं बार इजरायली बास्केटबॉल स्टेट कप का खिताब जीता

जेरूसलम। चैंपियंस लीग क्लब हापोएल जेरूसलम ने इजरायली बास्केटबॉल स्टेट कप का खिताब जीत लिया है। हापोएल जेरूसलम ने गुरुवार रात तेल अवीव के मेनोराह मिवतचिम एरिना में 11,000 प्रशंसकों के सामने फाइनल में यूरोलीग की टीम मैकाबी तेल अवीव को 85-72 से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह जेरूसलम की आठवीं स्टेट कप जीत थी, और पिछले सीज़न के फाइनल में मैकाबी को हराने के बाद लगातार दूसरी जीत थी। जेरूसलम ने शुरुआती मिनटों में मजबूत बचाव दिखाया और 10-2 की बढ़त ले ली, लेकिन बोन्ज़ी कोलसन के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत मैकाबी ने पहले क्वार्टर के अंत में 23-16 की बढ़त हासिल कर ली। रोमन सॉर्किन के अंकों और रिबाउंड के साथ मैकाबी ने दूसरे क्वार्टर में अपनी गति जारी रखी और हाफटाइम तक 46-37 की बढ़त बना ली। स्पीडी स्मिथ की सहायता और निम्रोद लेवी और जेकोरी विलियम्स के अंकों की बदौलत जेरूसलम को तीसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए शानदार 31-10 से आगे कर दिया, जिसने खेल को पूरी तरह से बदल दिया। तीसरे क्वार्टर के अंत में जेरूसलम ने 68-56 की बढ़त बनाई।

निर्णायक क्वार्टर में स्मिथ ने अपनी चमक जारी रखी और खदीन कैरिंगटन और लेवी रैंडोफ़ के अंकों के साथ, जेरूसलम ने 85-72 से जीत हासिल की।जेरूसलम के लिए विलियम्स ने गेम में सर्वाधिक 21 अंक बनाए, जबकि रैंडोल्फ ने 17 और कैरिंगटन ने 16 अंक जोड़े। स्मिथ ने 12 अंक और 15 सहायता का योगदान दिया। सॉर्किन 17 अंकों के साथ मैकाबी के शीर्ष स्कोरर रहे।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एनआरएआई की ओलंपिक चयन नीति को बरकरार रखा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा बनाई गई 2024 पेरिस ओलंपिक चयन नीति को बरकरार रखा है। कोर्ट ने यह आदेश एक शूटर द्वारा उसे ओलंपिक चयन ट्रायल में शामिल न किए जाने को लेकर दायर की गई याचिका खारिज होने के बाद सुनाया। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, एनआरएआई के महासचिव के. सुल्तान सिंह ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, ओलंपिक खेलों 2024 के लिए हमारी चयन नीति निष्पक्ष, उचित और पारदर्शी है। सभी एथलीटों को उचित मौका दिया गया है। निशानेबाजों के क्वालीफाई करने के लिए पॉलिसी (नीति) अधिक समावेशी है।

जुवेंटस ने अटलांटा को हराकर अपना 15वां कोपा इटालिया खिताब जीता

रोम। जुवेंटस ने शुरुआती मिनटों में डुसान व्लाहोविक के गोल की बदौलत अटलांटा को 1-0 से हराकर अपना 15वां कोपा इटालिया खिताब हासिल किया। जुवेंटस ने इससे पहले 14 बार टूर्नामेंट जीता था और उनकी

आखिरी जीत 2021 में हुई थी, जबकि अटलांटा ने 1962-63 सीज़न में केवल एक बार खिताब जीता था।जुवेंटस ने मैच में स्वप्निल शुरुआत की। चौथे मिनट में ही डुसान व्लाहोविक ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। खिताबी जीत के बाद मुख्य कोच मैसिमिलियानो एलेग्री ने एक बयान में कहा, यह एक महत्वपूर्ण मैच था, फ़ाइनल खेलना हमेशा अद्भुत होता है। हम तीन कठिन महीनों से गुज़रे जो बहुत विकास के थे। जुवेंटस एक महत्वपूर्ण क्लब है और हमें वह मिला जो हमें चाहिए था, चैंपियंस लीग और कोपा इटालिया फाइनल खेलना शानदार था, जिन्हें जीतने के लिए लड़कों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

बारिश से दिलचस्प हुआ पॉइंट टेबल का खेल, SRH को फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल के रोमांच का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बारिश हुई सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के मुकाबले में और उम्मीद धुल गई दिल्ली कैपिटल्स की. जी हां, आईपीएल 2024 अब इसी दौर में है, जहां मुकाबले में 2 टीमें उतरती हैं, लेकिन इसके नतीजे से कम कम 4-5 टीमों का भविष्य जुड़ा होता है. यही तो गुरुवार को भी हुआ, जब हैदराबाद और गुजरात आमने-सामने आए. भले ही यह मैच बारिश के कारण नहीं हो सका. लेकिन इस रद मैच ने भी दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स को प्लेऑफ की रेस से बाहर कर दिया. आइए समझते हैं कैसे. गुजरात टाइटंस की टीम सनराइजर्स हैदराबाद से मुकाबले से पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी थी. उसके लिए यह प्रतिष्ठा बचाने का सवाल था या

उलटफेर करने का मौका. बारिश ने ये दोनों ही मौके उससे छीन लिए. लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद को प्लेऑफ में पहुंचा दिया. एसआरएच के इस मैच से पहले 14 अंक थे. मैच रद होने से उसे एक अंक मिला. इस तरह उसके 15 अंक हो गए.

आईपीएल 2024 के पॉइंट टेबल में कोलकाता नाइटराइडर्स सबसे अधिक 19 अंक के साथ पहले नंबर पर है. राजस्थान रॉयल्स के 13 मैच से 16 अंक है. वह अगर अपना आखिरी मुकाबला जीती तो 18 अंक तक जा सकती है. इन दोनों के हैदराबाद (15), चेन्नई सुपरकिंग्स (14), दिल्ली कैपिटल्स (14) हैं. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (12) और लखनऊ सुपरजायंट्स (12) पॉइंट टेबल में क्रमश- छठे और सातवें नंबर पर हैं.

आईपीएल 2024 में 66 मैच खेले जा चुके हैं. अब सिर्फ 4 लीग मैच और होने हैं. पॉइंट टेबल की बात करें तो टॉप-4 में कोलकाता, राजस्थान और हैदराबाद की जगह पक्की हो चुकी है. अब सिर्फ एक जगह बाकी है, जिसके लिए मुख्य रूप से चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला है. बेंगलुरू अगर जीत भी जाए तो उसके 14 से ज्यादा अंक नहीं हो सकते. यानी उसकी जीत-हार से हैदराबाद की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा.

तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी थाईलैंड ओपन के क्वार्टरफाइनल में

बैंकॉक। भारतीय महिला युगल जोड़ी तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा थाईलैंड ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा ने चीनी ताइपे की हंग एन-त्ज़ु और लिन यू-पेई को 21-19, 21-17 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को शुरुआती दौर में बाई मिली थी।

वहीं, रूतापर्णा और स्वेतापर्णा पांडा महिला युगल के दूसरे दौर में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त रिन इवानागा और की नाकानिशी के हाथों 21-16, 21-13 से हारकर बाहर हो गईं। पुरुष वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।सात्विक-चिराग ने चीन के ज़ी हाओ नान और ज़ेंग वेई हान को 21-16, 21-11 से हराकर अंतिम आठ चरण में जगह बनाई।

सात्विक-चिराग का लक्ष्य अपने खाते में एक और थाईलैंड ओपन खिताब जोड़ना होगा। उन्होंने इससे पहले 2019 में इसे जीता था। इसके अलावा, पूर्व जूनियर विश्व नंबर दो खिलाड़ी मीराबा लुवांग मैसनाम ने टूर्नामेंट में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा। पिछले दौर में अपने वरिष्ठ हमवतन एचएस प्रणय को हराने के बाद, उन्होंने दुनिया के 54वें नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के मैड्स क्रिस्टेंसन को 21-14, 22-20 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल में भारतीय चुनौती तब समाप्त हो गई जब अश्मिता चालिहा दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू से 15-21, 21-12, 12-21 से हार गईं। भारत की मिश्रित युगल जोड़ी सतीश कुमार करुणाकरन और आद्या वरिनाथ अपने दूसरे दौर के मैच में इंडोनेशिया के रिनोव रिवाल्डी और पिथा हनिंगत्यास से 21-19, 21-17 से हार गईं। थाईलैंड ओपन बैंकॉक में 14 मई से शुरु हुआ और 19 मई तक चलेगा।

मीराबा, सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी

बैंकॉक। अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, युवा भारतीय शटलर मीराबा लुवांग मैसनाम और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी गुरुवार को यहां थाईलैंड ओपन सुपर 500 के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई।हमवतन एचएस प्रणय पर अपनी अप्रत्याशित जीत के एक दिन बाद, प्रकाश पदुकोण बैडमिंटन अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाले 21 वर्षीय मीराबा ने 50 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में डेनमार्क के मैड्स क्रिस्टोफरसेन को 21-14, 22-20 से हरा दिया। .मीराबा, जिन्होंने 2022 में ईरान फज्र इंटरनेशनल और इंडिया इंटरनेशनल जीता था, को एक लिटमस टेस्ट का सामना करना पड़ेगा जब वह विश्व चैंपियन और स्थानीय नायक कुनलावुत विटिडसर्न से भिड़ेंगे।सात्विक और चिराग की

दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने अपने दूसरे दौर के मैच में 69वीं रैंकिंग वाले ज़ी साओ नान और ज़ेंग वेई हान को 21-16, 21-11 से हराया।एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेताओं का अगला मुकाबला मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की महिला जोड़ी ने चीनी ताइपे की हंग एन-त्ज़ु और लिन यू-पेई को 21-19, 21-17 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का अगला मुकाबला ताइपे की छठी वरीयता प्राप्त ली यू लिम और शिन सेउंग चान से होगा।अन्य भारतीयों में, अश्मिता चालिहा की भीषण लड़ाई एक करीबी हार के साथ समाप्त हुई क्योंकि वह महिला एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी हान यू से 15-21, 21-12, 12-21 से हार गई।मिश्रित युगल में, सतीश करुणाकरण और आद्या वरियाथ रिनोव रिवाल्डी और पिथा हनिंगत्यास मेंटारी से 10-21, 17-21 से हार गए और प्रतियोगिता से बाहर हो गए।पांडा बहनें-रुतापर्णा और स्वेतापर्णा-दूसरे दौर को पार करने में असफल रहीं और जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी से 16-21, 13-21 से हार गईं।

टालियन ओपन: टेलर फ्रिट्ज को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर ज्वेरेव

एजेंसी

रोम। विश्व के 5वें नंबर के खिलाड़ी जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बुधवार रात अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्वेरेव ने एक घंटे और 30 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल मैच में अपनी मजबूत सर्विस और त्रुटिहीन बेसलाइन खेल की बदौलत अमेरिकी खिलाड़ी को 6-4, 6-3 से हराया। ज्वेरेव ने मैच जीतने के बाद एटीपी के हवाले से अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, यही वह शॉट है जिससे मैं या तो मैच जीतता हूं या हारता हूं। इसी तरह मेरा पूरा करियर रहा है। जब मैं उस शॉट को अच्छी तरह से मारता हूं, तभी मैं जीतता हूं। जब मैं इसे बहुत अच्छी तरह से नहीं मार रहा होता हूं, तब मैं हार जाता हूं। मैं अपने करियर में जिस शॉट पर सबसे अधिक काम कर रहा हूं, वह निश्चित रूप से मेरी सर्विस भी है।

विश्व नंबर 5 ने उल्लेख किया कि इस पखवाड़े में उनकी अच्छी सर्विस ने उन्हें रैलियों में अधिक स्वतंत्र रूप से खेलने का मौका दिया है। ज्वेरेव ने कहा, यही आपको बेसलाइन से शायद थोड़ा अधिक जोखिम लेने की सुरक्षा देता है। यह किसी भी टेनिस खिलाड़ी के लिए

सबसे महत्वपूर्ण शॉट है। टेलर इस साल क्ले पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। ऐसी जीत हासिल करना मेरे लिए बहुत अच्छा है।

ज्वेरेव का अगला मुकाबला नंबर 29 एलेजांद्रो ताबिलो से होगा, जिन्होंने छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के खिलाफ दूसरे दौर में उलटफेर दर्ज किया।

एलएसजी के सहायक कोच लांस क्लूजनर का कहना है कि बल्लेबाजों के समर्थन की कमी से केएल राहुल निराश

एजेंसी

मुंबई। भले ही उन्हें विश्व कप के लिए नजरअंदाज किया गया हो और उनकी फ्रेंचाइजी के मालिक ने सार्वजनिक रूप से डांटा हो, लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के सहायक कोच लांस क्लूजनर का मानना है कि केएल राहुल ने कप्तान के रूप में आईपीएल 2024 सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन समर्थन की कमी के कारण वह निराश थे। अन्य बल्लेबाजों से. सुपर जायंट्स आईपीएल 2024 के घरेलू चरण तक पहुंचने तक अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और प्लेऑफ के लिए दावेदार थे, इससे पहले कि वे अपने पिछले पांच मैचों में से चार हार गए, जिससे उनकी प्रगति बाधित हुई।इस विनाशकारी दौड़ के बीच में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट की शर्मनाक हार के बाद मैदान के अंदर फ्रेंचाइजी के मालिक सजीव गोयनका ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी व्यक्त की। क्लूजनर ने गोएकना-राहुल घटना पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि केएल ने एक बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें दूसरों से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। मुझे लगता है कि वह शायद टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से थोड़ा निराश है। मुझे लगता है कि कई बार हमने उसके आसपास विकेट खोए हैं, उसे फिर से बनाना होगा। हमने उसे अपना स्वाभाविक खेल नहीं खेलने दिया है। इसलिए यह आसान है बस बैठो और सोचो, ओह, ठीक है, उसका टूर्नामेंट बहुत अच्छा नहीं रह लेकिन अगर आप उसके आंकड़ों को देखें, तो वे वास्तव में बिल्कुल भी बुरे नहीं हैं, उन परिस्थितियों को देखते हुए जिनमें उसे बल्लेबाजी करनी पड़ी क्लूजनर ने शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के साथ अपनी टीम की भिड़ंत से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, क्रिकेटर और समूह का सम्मान मिला।

जर्मनी ने यूरो 2024 से पहले प्रारंभिक 27 सदस्यीय टीम की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। 15 जून से शुरू होने वाले यूरो 2024 से पहले, जर्मनी के मैनेजर जूलियन नगेल्समैन ने प्रारंभिक टीम की घोषणा की, जिसे वह मैत्री मैचों के लिए मैदान में उतारेंगे।टीम का सबसे बड़ा चर्चा का विषय मैट्स हम्मेल्स और लियोन गोरेत्ज़का का बाहर होना था क्योंकि दोनों अपने देश के अनुभवी हैं और हम्मेल्स का बोरुसिया डॉर्टमुंड के साथ एक अनुकरणीय सीज़न रहा है, जिसमें काले और पीले रंग को टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचते देखा गया है। मैंने हम्मेल्स और गोरेत्ज़का दोनों के साथ लंबी बातचीत की। सूची से बाहर होने से वे काफी निराश हैं। मैंने यह समझाने की कोशिश की कि उन्हें शामिल क्यों नहीं किया गया। यह समझ में आता है कि वे दुखी हैं, नगेल्समैन ने टीम की घोषणा में कहा।हालाँकि

आधिकारिक टीम की घोषणा बहुत बाद में हुई, जर्मनी ने घरेलू यूरो के अवसर का शानदार तरीके से उपयोग किया क्योंकि उन्होंने लीक के माध्यम से व्यक्तिगत खिलाड़ियों की घोषणा की, जिसमें देश के सोशल मीडिया प्रभाव, संगीत कलाकार, बेकरी और कई अन्य शामिल थे।7 जून से पहले अंतिम दो मैत्री मैचों में ड्यूशलैंड का सामना यूक्रेन और ग्रीस से होगा, यही वह समय है जब टीम की घोषणा करने की समय सीमा तय की गई है। दो मैत्री मैचों में एक खिलाड़ी को 27 सदस्यीय टीम से हटाया जाएगा क्योंकि खिलाड़ियों को देश का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति होगी।

गोलकीपर: ओलिवर बाउमन (टीएसजी हॉफेनहेम), मैनुअल नेउर (बायर्न म्यूनिख), अलेक्जेंडर नुबेल (वीएफबी स्टटगार्ट), मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन (बार्सिलोना)रक्षकों- वाल्डेमर एंटोन (वीएफबी स्टटगार्ट), बेंजामिन हेनरिक्स (आरबी लीपज़िग), जोशुआ किमिच (बायर्न म्यूनिख), रॉबिन कोच (एंट्रैक्ट फ्रैंकफर्ट), मैक्सिमिलियन मित्तेलस्टैड (वीएफबी स्टटगार्ट), डेविड राउम (आरबी लीपज़िग), टोनी रुडिगर (रियल मैड्रिड) , निको श्लोटरबेक (बोरुसिया डॉर्टमुंड), जोनाथन ताह (बायर लीवरकुसेन)मिडफील्डर- रॉबर्ट एंड्रिच (बायर लेवरकुसेन), क्रिस फ्यूरिच (वीएफबी स्टटगार्ट), पास्कल ग्रोस (ब्राइटन), एल्के गुंडोगन (बार्सिलोना), टोनी क्रोस (रियल मैड्रिड), जमाल मुसियाला (बायर्न म्यूनिख), अलेक्जेंडर पावलोविक (बायर्न म्यूनिख), लेरॉय साने (बेयर्न म्यूनिख), फ्लोरियन वर्ट्ज़ (बायर लीवरकुसेन)फॉरवर्ड- मैक्सिमिलियन बेयर (हॉफेनहेम) निकलस फुलक्रग (बोरूसिया डॉर्टमुंड), काई हैवर्टज़ (आर्सेनल), थॉमस मुलर (बायर्न म्यूनिख), डेनिज़ उन्दाव (वीएफबी स्टटगार्ट)

मैं एक दिन भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं : प्रिंस दीप सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम इस महीने के अंत में होने वाले अपने यूरोप दौरे के लिए तैयारी कर रही है और टीम के गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह अन्य देशों की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका पाकर रोमांचित हैं।

रोहित की अगुवाई में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 20 से 29 मई के बीच बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड में मैच खेलेगी। दौरे का हिस्सा बनने के लिए चुने गए बीस खिलाड़ियों में प्रिंस दीप सिंह भी शामिल हैं, जिन्हें गोलकीपिंग की जिम्मेदारी निभाने के लिए बिक्रमजीत सिंह के साथ चुना गया है। पंजाब के पठानकोट जिले की एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले प्रिंस दीप सिंह ने 2016 में पहली बार हॉकी स्टिक उठाई थी। उन्होंने गुरुवार को हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैंने टीवी पर भारतीय टीम को खेलते हुए देखा और विशेष रूप से पीआर श्रीजेश के खेल का शौकीन था। इससे हममें इस खेल को खेलने की इच्छा पैदा हुई। जैसे ही मैंने अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए इसका आनंद लेना शुरू किया, मैं एक अकादमी में चला गया।प्रिंस दीप सिंह धीरे-धीरे रैंक में आगे बढ़े और ग्वालियर में हुए 5वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने से पहले मध्य प्रदेश में आयोजित दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी नेशनल चैंपियनशिप 2022 में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी का प्रतिनिधित्व किया। जहां उनकी टीम ने कांस्य पदक जीता।

उन्होंने जून 2023 में राउरकेला, ओडिशा में हुई 13वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हॉकी पंजाब का भी प्रतिनिधित्व किया। हालाँकि टीम पांचवें स्थान पर रही, प्रिंस दीप ने टूर्नामेंट के दौरान और साल भर अन्य घरेलू टूर्नामेंटों में अपने गोलकीपिंग कौशल से छाप छोड़ी, जिसके परिणामस्वरूप इस साल की शुरुआत में बेंगलुरु में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में उन्हें 40 सदस्यीय जूनियर पुरुष का हिस्सा बनने के लिए तैयार किया गया। शिविर के दौरान अपने अनुभव को लेकर प्रिंस दीप ने कहा, मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। देश के सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ियों में शामिल होने से आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। मैंने प्रत्येक अभ्यास सत्र के साथ बेहतर होने पर काम किया और इससे इसमें शामिल सभी लोगों को मुझे प्रेरित करने में मदद मिली। हम सभी खिलाड़ी और व्यक्ति दोनों के रूप में एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं। इससे टीम में सकारात्मक माहौल बनाने में काफी मदद मिलती है।भारतीय जूनियर पुरुष टीम के यूरोप दौरे से खिलाड़ियों को अपना खेल विकसित करने और यह सीखने में मदद मिलेगी कि सीज़न में उन्हें क्या काम करने की ज़रूरत है। प्रिंस का मानना है कि यह उनके लिए अपने खेल को अगले स्तर पर ले जाने का एक अवसर है। उन्होंने कहा, जब आप दूसरे देशों की टीमों के खिलाफ खेलते हैं तो आपको अपना ए-गेम लाना होता है। मैं इसे टीम के साथ-साथ खुद के लिए भी यह पहचानने का एक अवसर मानता हूं कि हम क्या अच्छा कर रहे हैं और खेल में अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने में सक्षम होने के लिए हमें क्या बदलाव करने की जरूरत है। यही इस दौरे का कारण है और मेरा मानना है कि हम इसका पूरा उपयोग करेंगे।

भारत अपना एकमात्र टी20 विश्व कप अभ्यास मैच बांग्लादेश के खिलाफ न्यूयॉर्क में खेलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप से पहले भारत का एकमात्र अभ्यास मैच 1 जून को न्यूयॉर्क में बांग्लादेश के खिलाफ खेले जाने की संभावना है, जिस दिन कनाडा डलास में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में सह-मेजबान संयुक्त राज्य अमेरिका से खेलेगा।आइजनहावर पार्क में 34,000 क्षमता वाले अस्थायी स्टेडियम का आधिकारिक तौर पर बुधवार को महान धावक उसेन बोल्ट ने शुभारंभ किया।टीमें आमतौर पर आईसीसी आयोजन से पहले दो अभ्यास मैच खेलती हैं, लेकिन व्यस्त कार्यक्रम के कारण सभी 20 टीमों को टूर्नामेंट से पहले ऐसा करने की अनुमति नहीं मिलेगी।आईपीएल 26 मई को समाप्त होगा और एक हफ्ते से भी कम समय बाद टी20 विश्व कप शुरू होगा।चूंकि भारत अपने पहले तीन लीग मैच न्यूयॉर्क में खेलता है, इसलिए वे चाहते हैं कि यात्रा से बचने के लिए वार्म-अप

उसी स्थान पर खेला जाए। संयुक्त राज्य अमेरिका में अन्य दो स्थान डलास और मियामी के पास फोर्ट लॉडरहिल हैं। यूयॉर्क में वार्म-अप खेलने से भारत को परिस्थितियों के बारे में बहुत जरूरी जानकारी भी मिलेगी। एक पार्क में बना यह स्टेडियम पांच महीने से भी कम समय में तैयार हो गया और इसका निर्माण जनवरी में ही शुरू हुआ।÷इस विश्व कप के लिए कार्यक्रम वास्तव में कठिन है और इसे बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था। आपको आईपीएल फाइनल और विश्व कप ओपनर के बीच लंबे अंतराल की जरूरत थी। टूर्नामेंट शुरू होने से 24 घंटे पहले पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमें भी द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेंगी, ÷बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया।इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच चौथा और अंतिम टी20 30 मई को लंदन में होना है। यह तय है कि दोनों टीमों के पास अपना अभियान शुरू करने से पहले केवल एक वार्म-अप के लिए समय होगा।पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत 6 जून को डलास में अमेरिका के खिलाफ करेगा, जबकि इंग्लैंड 4 जून को बारबाडोस में स्कॉटलैंड से भिड़ेगा।प्रतियोगिता में रिकॉर्ड 20 टीमें भाग ले रही हैं, जिससे शेड्यूलिंग चुनौती भी बढ़ गई है। दो सीज़न पहले ऑस्ट्रेलिया में हुए पिछले संस्करण में 16 टीमों ने हिस्सा लिया था।यूएसए, कनाडा और उगाना टी20 विश्व कप में पदार्पण करेंगे।

भारतीय दिग्गज फुटबॉलर सुनील छेत्री ने की संन्यास की घोषणा, 6 जून को भारत के लिए खेलेंगे आखिरी मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। दिग्गज फुटबॉलर सुनील छेत्री ने अपने संन्यास की घोषणा कर दी। 6 जून को वह कुवैत के खिलाफ भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेलेंगे।

छेत्री सिर्फ एक फुटबॉल स्टार नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने कड़ी मेहनत से क्या हासिल किया जा सकता है, इसका उदाहरण बनकर खुद को अगली पीढ़ी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की और 6 जून को कुवैत के खिलाफ साल्ट लेक स्टेडियम में घरेलू प्रशंसकों के सामने आखिरी बार नीले रंग में दिखाई देंगे।

छेत्री की कहानी 19 साल पहले राष्ट्रीय राजधानी में शुरू हुई जब उन्होंने 2001-02 तक सिटी क्लब दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया। भारत के पूर्व शीर्ष स्ट्राइकर बाईचुंग भूटिया ने उन्हें राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का नेतृत्व करने के लिए चुना। छेत्री ने 2011 एएफसी एशियन कप में भाग लिया और उन्हें पहली बार 2012 एएफसी चैलेंज कप क्वालीफायर में राष्ट्रीय टीम का कप्तान बनाया गया और 2012 में भारत को एक और नेहरू कप ट्रॉफी दिलाई।

उन्होंने 2008 में भारत के साथ एएफसी चैलेंज कप जीता। उन्होंने 2011, 2015, 2021 और 2023 में सैफ चैंपियनशिप खिताब जीतकर भारत को दक्षिण एशियाई फुटबॉल में एक प्रमुख ताकत के रूप में स्थापित करने में मदद की। छेत्री ने 2007, 2009 और 2012 में भारत के साथ तीन नेहरू कप खिताब जीते। वह दो भारतीय टीमों का हिस्सा रहे हैं जिन्होंने 2018 और 2023 में इंटरकांटिनेंटल कप जीता। छेत्री ने 2023 में भारत को ट्राई-नेशंस कप भी दिलाया। छेत्री ने 2007, 2011, 2013, 2014, 2017, 2018-19 और 2021-22 सीज़न में कुल सात बार प्रतिष्ठित ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीता है। उन्होंने 2009, 2018 और 2019 में एफपीएआई इंडियन प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता है।

छेत्री ने भारत सरकार के दो बड़े खेल सम्मान 2011 में अर्जुन पुरस्कार और 2021 में देश के सबसे बड़े खेल सम्मान खेल रत्न पुरस्कार भी जीते।

उनके नेतृत्व में भारत ने 2018 के बाद 2023 में पहली बार शीर्ष 100 रैंकिंग में प्रवेश किया। अपने करियर में शुरुआती कदम उठाने के बाद, छेत्री ने 2002 में मोहन बागान के लिए एक पेशेवर के रूप में अपनी शुरुआत की। वह 2005 तक भारतीय फुटबॉल के इतिहास में सबसे प्रतिष्ठित क्लबों में से एक के साथ रहे, और 18 मैचों में आठ गोल किए। उन्होंने पूरे भारत की यात्रा की और जेसीटी (2005-08), ईस्ट बंगाल (2008-09), डेम्पो (2009-10), चिराग यूनाइटेड (2011), मोहन बागान (2011-12), चर्चिल ब्रदर्स (2013 ऋण पर) और बेंगलुरु (2013-15, 2016-वर्तमान) के लिए प्रदर्शन किया।। उनका करियर सिर्फ भारतीय धरती तक ही सीमित नहीं था, वह यूएसए के मेजर लीग सॉकर क्लब कैनसस सिटी विजार्ड्स (2010) और पुर्तगाल क्लब स्पोर्टिंग सीपी (2012-13) जैसे विदेशी क्लबों के लिए भी खेले, जिससे उनके खेल में निखार आया और वह एक निपुण स्ट्राइकर बन गए। कुल मिलाकर, उन्होंने अपने दो दशक के करियर में 365 क्लब मैचों में 158 गोल किए हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 18 मई 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की हुई पुनः शुरुआत

● आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नई टीम का हुआ गठन ● पंजाबियों को एकजुट कर एक छत के नीचे लाएंगेः राजू कोहली

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्लीः नार्थ दिल्ली में पंजाबियों की एक प्रमुख संस्था रही आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी को पुनः शुरू करने के लिए मजलिस पार्क स्थित बारात घर में एक आम बैठक का आयोजन किया। इस मौके पर पंजाबी समाज से जुड़े लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत की और सोसाइटी की भविष्य की रूपरेखा पर मंथन किया। इस दौरान आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नई टीम का गठन भी किया गया।

संस्था के संस्थापक स्व. सुरेंद्र कोहली को किया गया याद

आम सभा में आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी के संस्थापक स्वर्गीय श्री सुरेंद्र कोहली को याद करते हुए श्रृद्धासुमान अर्पित किए गए। बैठक में क्षेत्र के जाने माने चेहरों ने शिरकत की। सभी गणमान्य हस्तियों का भव्य स्वागत किया गया।आपको बता दें कि स्व. सुरेंद्र कोहली जी ने ही आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नींव रखीं थी। स्व. सुरेंद्र कोहली जी के नेतृत्व में हर वर्ष कई कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाता था। परंतु स्व. सुरेंद्र कोहली जी के परलोकगमण के बाद से आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी निष्क्रिय हो गई थी।

आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नई टीम का हुआ गठन

आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की रूपरेखा को लेकर कार्यक्रम में मौजूद सदस्यों के बीच चर्चा की गई और भविष्य की कार्यशैली को लेकर रूपरेखा भी तैयार की गई। जहां पंजाबी समाज को एकजुट कर एक छत के नीचे लाने का लक्ष्य रखा गया। वहीं, आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नई टीम का भी गठन किया गया। जहां सभी पंजाबी भाईयों ने पंजाबी समाज की बेहतरी और उन्हें एकजुट करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया।

राजू कोहली ने उठाया आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी को सक्रिय करने का बीड़ा

स्व. सुरेंद्र कोहली जी के सुपुत्र राजू कोहली ने अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए और पंजाबी समाज के बेहतरी और एकजुटता के लिए पिताजी के निधन के बाद निष्क्रिय पड़ी आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नई ऊर्जा दी है। इसी जिम्मेदारी को फलीभूत करने के लिए राजू कोहली ने आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की बैठक का आयोजन किया। जहां पंजाबी समाज के गणमान्य चेहरों ने शिरकत की। इस दौरान नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया।

लोगों ने रखे अपने विचार

बैठक के दौरान आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी से जुड़े हर पहलू पर चर्चा की गई। टीम गठन से लेकर भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों की चर्चा हुई। सभी ने खुल कर अपने विचार रखे और आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की सक्रियता को आगे बढ़ाने में अपना भरपूर योगदान देने का फैसला किया। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने राजू कोहली के द्वारा की गई इस पहल का दिल खोलकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन गोपाल खनेजा ने किया।

ये लोग रहे मौजूद

संस्था के चेयरमैन के रूप में सुरेंद्र चोपड़ा, वाईस चेयरमैन नरेश टंडन, वाईस चेयरमैन राकेश जुनेजा, वाईस चेयरमैन मनविन्दर सिंह बावा, वाईस चेयरमैन अमर जीत सिंह (बंटी), वाईस चेयरमैन नीरज कूपर, वाईस चेयरमैन बलदेव सिंह पुरी के अलावा गुरमीत अरोड़ा को संयोजक और रवि भारद्वाज को सह संयोजक की ज़िम्मेवारी दी गई। वहीं, मुख्य संरक्षक के रूप में सुरेंद्र बुद्धिराजा, संरक्षक के रूप में प्रेम प्रकाश खुराना, गुरदयाल छाबड़ा सहित कई सम्मानित और नामचीन चेहरे शामिल किए गये।

इनके अलावा महासचिव पद की ज़िम्मेवारी सुनील खन्ना और कोषाध्यक्ष पद की ज़िम्मेवारी मदन मेहरा को दी है। बैठक में बड़ी संख्या में पंजाबी समाज से जुड़े लोग शामिल हुए।

सुरेंद्र बुद्धिराजा, मुख्य संरक्षकः स्व. सुरेंद्र कोहली जी हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत रहने के साथ-साथ खुशदिल मिजाज के व्यक्ति थे। आज वो हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके विचार हम सभी को प्रेरणा देते रहे हैं। आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नई टीम को मेरी शुभकामनाएं।

सुरेंद्र चोपड़ा, चेयरमैनः पंजाबी समाज देश की बेहतरी के लिए काम करती है। स्वं. सुरेंद्र कोहली जी ने आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नींव रखीं थी। आज स्वं. सुरेंद्र कोहली जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके द्वारा शुरू की गई संस्था को आगे बढ़ाने का फैसला सराहनीय है।

राजू कोहली, प्रधानः पिताजी ने आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नींव रखीं थी। आज स्व. सुरेंद्र कोहली जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके सिद्धांतों का पालन करते हुए पंजाबी समाज की एकजुटता और बेहतरी के लिए फिर से निष्क्रिय पड़ी टीम को पुनः शुरू करने का फैसला किया गया।

गुरमीत अरोड़ाः संयोजकः स्व. सुरेंद्र कोहली जी हम सभी के मार्गदर्शक और क्षेत्र के सम्मानिय सदस्य थे। आज वो हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके दिखाए हुए मार्ग हम सभी को प्रेरणा देते रहेंगे। इसी कड़ी में राजू कोहली जी द्वारा आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की पुनः करने का फैसला किया गया।

रवि भारद्वाज, सह संयोजकः स्व. सुरेंद्र कोहली जी मेरे लिए अभिभावक के रूप में थे। स्व. सुरेंद्र कोहली जी ने हमेशा ही पंजाबी समाज की बेहतरी के लिए कार्य किए और आज उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की पुनः शुरूआत करना सराहनीय फैसला है।

राकेश जुनेजा, वाईस चेयरमैनः आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की पुनः शुरू करने का सराहनीय फैसला है। सभी पंजाबी समाज की एकजुटता के लिए काम करेंगे और समाज को अपने विचारों से एक नई दिशा प्रदान करेंगे। टीम के सभी सदस्यों को बधाई।

नरेश टंडन, वाईस चेयरमैनः सोसाईटी की नई टीम को बधाई। मुझे पूर्ण रूप से विश्वास है कि टीम पंजाबी समाज को एकछत के नीचे लाएगा और समाज को नए-नए विचारों से अनुग्रहीत करेंगे। सभी गणमान्य सदस्यों का अभिनंदन। पंजाबी समाज देशहित में कार्य करता है।

सुनील खन्ना, महासचिवः स्वं. सुरेंद्र कोहली जी ने आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी की नींव रखीं थी। आज स्वं. सुरेंद्र कोहली जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके द्वारा शुरू की गई संस्था को आगे बढ़ाने का फैसला सराहनीय है। नई टीम को बधाई व अभिनंदन।